हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 1 फरवरी 2026

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹118715/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹144990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹158270/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

anand Jewels Pandri, Raipur

दर्द अनेक, उपचार एक!

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन,
जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपूर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया & कं. -8889669996

Costumer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradikshaherbals.com

₹ 120/-

जिला शिक्षा कार्यालय में आगजनी : दस दिनों में समिति ने सौंपी रिपोर्ट

जिला शिक्षा अग्निकांड, फाइनल रिपोर्ट, 19 अलमारियां जली, दस्तावेज से भरे 150 बस्ते भी खाक, पर साजिश नहीं

डीईओ दफ्तर में 'संदेह' की आग, मध्यान्ह भोजन, अनुकंपा नियुक्ति की फाइलें खाक, घंटेभर मशक्कत के बाद पाया काबू

10 हजार से अधिक शिक्षकों को सेवा पुस्तिका
952 निजी स्कूलों के मान्यता के दस्तावेज खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला शिक्षा कार्यालय में लगी आग को समिति ने हादसा ही माना और साजिश के अंदेशे को खारिज करते हुए कार्यालय को क्लीन चिट दे दिया। समिति ने इसे दुर्भाग्यजनक माना है। 17 जनवरी को रायपुर जिला शिक्षा कार्यालय में आगजनी हुई थी। इसमें कई अहम दस्तावेज जलकर खाक हो गए थे। आग इतनी भयानक थी कि कक्ष के भीतर तक जाने कुछ दीवारों को तोड़ना भी पड़ा था। 12 घंटे से अधिक समय पश्चात आग पर काबू पाया जा सका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आगजनी की जांच के लिए समिति गठित की गई थी। इस समिति को पांच दिनों के भीतर लोक शिक्षण संचालनालय को अपनी रिपोर्ट पेश करनी थी। समिति ने दस दिनों पश्चात अपनी रिपोर्ट डीपीआई को सौंपी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यह आग हादसा थी। किसी भी तरह की साजिश से इंकार किया गया है।

हरिभूमि फॉलोअप

इसके अलावा समिति ने उन दस्तावेजों का भी जिक्र किया है, जो आगजनी में जलकर खाक हो गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 19 अलमारियां इस आगजनी में नष्ट हुई हैं। इनमें दस्तावेजों से भरे 150 बस्ते थे। समिति ने साजिश से इंकार किया है, लेकिन ⏭शेष पेज 7 पर

फॉरेंसिक टीम भी कर रही जांच, इनकी रिपोर्ट अभी नहीं

14 लाख की हानि

समिति ने उन उपकरणों और वस्तुओं का भी आर्थिक ब्यौरा तैयार किया है, जो आग में जलकर खाक हो गए थे। आग में जलकर नष्ट हुए उपकरण और अन्य वस्तुओं की कीमतें कितनी थी, यह भी समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, जले हुए उपकरणों की कीमत लगभग 14 लाख रुपए है। इसमें अलमारियां, बस्ते सहित अन्य चीजें भी शामिल हैं। रिपोर्ट तैयार करने के पूर्व समिति ने कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान भी लिए। उनके बयान के आधार पर ही जली हुई सामग्री की कीमतों का अनुमान लगाया गया है।

संदेह की आग बुझाएगी कमेटी, आग लगने की वजह और जले दस्तावेजों की करेगी पड़ताल

दूसरी जांच अभी जारी

डीपीआई द्वारा बैठाई गई जांच कमेटी के अलावा फॉरेंसिक जांच भी चल रही है। फॉरेंसिक टीम 17 जनवरी की मध्यरात्रि आग लगने के बाद अगले दिन जांच के लिए पहुंची थी। उन्होंने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए थे। इनकी रिपोर्ट अभी नहीं आई है। मान्यता, आरटीई, स्थापना तथा छात्रवृत्ति से जुड़े दस्तावेजों के जलने की पुष्टि डीपीआई कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में की है। गौरतलब है कि हरिभूमि ने पहले ही इन दस्तावेजों के जलने की खबर प्रकाशित की थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पेश करेंगी बजट

युवा, किसान और कारोबारियों को आस आम बजट में आज मिलेगा कुछ 'खास'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार सुबह 11 बजे संसद में आम बजट 2026-27 पेश करेंगी, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के मौजूदा कार्यकाल का एक अहम बजट माना जा रहा है। पिछले साल बजट 2025-26 में मिडिल क्लास को बड़ी राहत मिली थी। अब बजट 2026 को लेकर हर वर्ग की उम्मीदें बढ़ गई हैं। महंगाई, रोजगार पर बड़ा फोकस हो सकता है, वहीं किसान, युवाओं और निवेशकों को भी सौगात मिलने की उम्मीद है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार 9वां बजट पेश करेंगी। वित्त मंत्री अपना बजट भाषण लोकसभा में 11 बजे से शुरू करेंगी। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां केंद्रीय बजट 2026-27 में कृत्रिम मेधा (एआई) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास, नवाचार और डिजिटल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के साथ-साथ बाजार में इसके विस्तार के लिए नकदी उपलब्ध कराने के उपायों की उम्मीद कर रही हैं। वित्त मंत्री से किसानों को बड़ी उम्मीदें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बजट 2026 लंबी अवधि के मजबूती के लिए कृषि क्षेत्र में विशेष पहल करने का एक अवसर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कृषि के लिए आवंटन लगातार बढ़ रहा है, जो वित्त वर्ष ⏭शेष पेज 7 पर

केंद्रीय कर्मचारियों की नजर

केंद्रीय कर्मचारियों की नजर वित्त मंत्री की स्पीच पर है। दरअसल, आठवें वेतन आयोग के औपचारिक गठन के लगभग तीन महीने बाद बजट पेश होने जा रहा है। दरअसल, वेतन आयोग को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 18 महीने की समय सीमा दी गई है। अगर केंद्र सरकार संशोधित वेतन और पेंशन के वित्तीय प्रभाव को वहन करने के लिए एक राशि आवंटित करने का निर्णय लेती है तो आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों को तेजी से लागू करने की अटकलें तेज हो जाएंगी।

ईवी और लोकल मैन्युफैक्चरिंग अहम

ऑटो कंपनियां भविष्य की तकनीक जैसे ईवी, सॉफ्टवेयर-बेस्ड गाड़ियां और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग पर लगातार निवेश कर रही हैं। इंडस्ट्री चाहती है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर टैक्स में छूट दे और कर्मचारियों को नई तकनीक सिखाने के लिए स्किल प्रोग्राम्स को बढ़ावा दे। इससे रोजगार बढ़ेगा और भारत का ऑटो सेक्टर लंबे समय तक मजबूत बना रहेगा।

बजट से एक दिन पहले व्यापार जगत की आवाज तेज

बजट का पिटारा खुलने से ठीक पहले देश के अलग-अलग कोनों से व्यापार जगत की आवाजें तेज हो गई हैं। मेटल एंड स्टील मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष और जाने-माने कारोबारी चंदन मंसाली ने इस बार बजट को लेकर बड़ी बात कही है। मंसाली का कहना है कि सरकार को मेटल इंडस्ट्री के बारे में गंभीरता से सोचना होगा. यह एक ऐसा सर्वव्यापी क्षेत्र है जिसके बिना निर्माण की कल्पना भी नहीं की जा सकती। व्यापारियों का तर्क है कि अगर मेटल उद्योग को करों में छूट या नीतियों में सरलीकरण मिलता है, तो इसका सीधा असर आम आदमी द्वारा खरीदी जाने वाली हर वस्तु की कीमत पर पड़ेगा।

हर वर्ग को बड़ी उम्मीदें

मिडिल क्लास

इस वर्ग को सबसे बड़ी उम्मीद इनकम टैक्स में छूट और टैक्स स्लैब में बदलाव से है। साथ ही, होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली डिडक्शन की सीमा बढ़ाने की भी उम्मीद है ताकि घर खरीदना सस्ता हो सके।

महिलाएं

महिलाओं को उम्मीद है कि उज्ज्वला योजना जैसी स्कीमों का दायरा बढ़ेगा और महिला उद्यमियों के लिए सस्ते लोन की व्यवस्था होगी। इसके अलावा, कामकाजी महिलाओं के लिए टैक्स में विशेष छूट की भी मांग है।

युवा

युवाओं की नजर मुख्य रूप से रोजगार के नए अवसरों और स्टार्टअप्स के लिए मिलने वाली सरकारी मदद पर है। वे एजुकेशन लोन पर ब्याज दरों में कमी और स्किल डेवलपमेंट के लिए बड़े बजट की उम्मीद कर रहे हैं।

किसान

किसानों को पीएम किसान योजना की राशि बढ़ाए जाने और खाद-बीज पर सब्सिडी जारी रहने की उम्मीद है, साथ ही, वे फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कदम चाहते हैं।

दुर्ग के मोहन नगर थाना अंतर्गत एक प्रतिष्ठित होटल में दिया घटना को अंजाम

नौकरी लगाने का झांसा देकर छह साल तक नाबालिग से अनाचार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

नौकरी लगाने का झांसा देकर युवती से अलग-अलग समय में अनाचार करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अन्य चार आरोपी अब भी पुलिस पकड़ से बाहर हैं। शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि वर्ष अप्रैल 2018 से 2025 की अवधि के दौरान पीड़िता से 6 आरोपियों ने गैंगरेप किया।

आरोपी ऊंचे रसूख वाले

पुलिस ने शुक्रवार की रात को होटल सागर इंटरनेशनल के मैनेजर विजय स्वाईं और जोन 1 खुर्सीपार निवासी अनिल चौधरी को गिरफ्तार किया है। वहीं संजय, बीएन, राजू, नतीन घटना ⏭शेष पेज 7 पर

चार फरार आरोपियों की पुलिस कर रही तलाश

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गैंगरेप में बीएन, राजू, संजय, नतीन शहर के बड़े लोग हैं। गैंगरेप को लेकर शनिवार को पूरे दिन शहर में चर्चा रही। इसमें कुछ आरोपी पीडब्ल्यूडी में कोई ठेकेदार तो कोई नौकरी करता है। पीड़िता इसके चंगुल में फंसने का बड़ा कारण पुलिस तलाश रही है। आठ साल से पीड़िता के साथ अनाचार कर उसे लगातार धमकी भी दी जा रही थी। पुलिस ने इस पूरे मामले का अब तक खुलासा नहीं किया है।

महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री

सुनेत्रा बनीं डिप्टी सीएम, पर नहीं मिला वित्त मंत्रालय

एजेंसी ⏭ मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दिवंगत अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार (62) ने शनिवार को मुंबई में एक समारोह में महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुनेत्रा पवार को विभागों का आवंटन भी कर दिया है। उपमुख्यमंत्री पद के साथ-साथ राज्य वह सरकार में आबकारी, खेल और अल्पसंख्यक एवं औकाफ मंत्रालय की जिम्मेदारी संभालेंगी। हालांकि, उन्हें इन मंत्रालयों के अलावा अहम वित्त विभाग की जिम्मेदारी नहीं दी गई है। उनके दिवंगत पति अजित पवार उपमुख्यमंत्री ⏭शेष पेज 7 पर

सबसे बड़ी चुनौती

सुनेत्रा पवार के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती राकांपा को एकजुट रखना और भाजपा तथा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन की राजनीति को संभालना है, लेकिन उनकी तात्कालिक चुनौती यह तय करना होगा कि राकांपा का राकांपा (शप) के साथ बहुप्रतीक्षित विलय को आगे बढ़ाया जाए या नहीं।

10 मिनट का समारोह एक मिनट में शपथ

डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार का सादगीपूर्ण शपथ ग्रहण समारोह सिर्फ 10 मिनट तक चला। 5.04 मिनट पर सुनेत्रा अजित पवार ने एक मिनट में मराठी भाषा में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। एक मिनट में शपथ पढ़ने के बाद उन्होंने सिग्नेचर किया। लोकभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मंच पर पांच कुर्सियां लगी थीं। सफेद रंग की साड़ी में सुनेत्रा कुछ देर पहले लोकभवन पहुंची और प्रफुल्ल पटेल के पास नीचे लगी कुर्सी पर बैठीं। ठीक पांच बजे राज्यपाल देवव्रत और सीएम देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ पहुंचे।

खुफिया जानकारी के बाद एक्शन

कांकेर से राजनांदगांव आकर अवैध कारोबार, प्रधान आरक्षक सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

पीएचक्यू के निर्देश पर कांकेर एसपी ने एक प्रधान आरक्षक को शनिवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। यह प्रधान आरक्षक कांकेर जिले में पदस्थ होने के बावजूद राजनांदगांव जिले में आकर अवैध कारोबार का नया सिंडिकेट तैयार कर रहा था। इस मामले की खबर प्रदेश के खुफिया तंत्र को मिलने के बाद यह एक्शन लिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कांकेर जिले में डीसीबी/डीसीआरवी शाखा में पदस्थ प्रधान आरक्षक विजय पांडे प्रदेश के कई आला अफसरों का ⏭शेष पेज 7 पर

महादेव से भी जुड़ा नाम

सूत्रों की माने तो आरक्षक विजय पांडे का नाम प्रदेश के चर्चित महादेव सट्टा कांड से भी जुड़ चुका है। इसके अलावा आरक्षक पांडे प्रदेश के कई वरिष्ठ पुलिस अफसरों का भी करीब है, जिसका फायदा उठाते हुए ही अवैध कारोबार का नया सिंडिकेट तैयार किया जा रहा था

गृहमंत्री अमित शाह ने सिलीगुड़ी में कार्यकर्ताओं की बैठक में कहा

'घुसपैठ पर लगाम लगाने के लिए टीएमसी सरकार को हटाना जरूरी'

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

बंगाल में इस साल होने हैं विधानसभा चुनाव

गृहमंत्री ने ममता सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर प्रदेश में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। बीजेपी टीएमसी को हटाने के लिए पुरजोर कोशिशों में जुटी है। वहीं, ममता सरकार पर लगातार केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाते आ रही है।

इन आरोप-प्रत्यारोप के दौर के बीच शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सिलिगुड़ी पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि ममता बनर्जी सरकार की विदाई का समय अब नजदीक है। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन निश्चित है और जनता बदलाव की उम्मीद रखती है। 'घुसपैठ पर लगाम के लिए टीएमसी सरकार को हटाना बहुत जरूरी है।

समाज के विभिन्न वर्गों में बढ़ी दूरी

शाह ने अपने भाषण में ममता बनर्जी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने अलग-अलग समुदायों को आपस में लड़ाने वाली राजनीति की है, जिससे राज्य की एकता खतरे में पड़ गई है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से पश्चिम बंगाल में सामाजिक तनाव को बढ़ावा दिया गया है, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में दूरी बढ़ी है।

जनता अब ममता सरकार की नीतियों से असंतुष्ट

शाह ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे संगठन को मजबूत करें और जमीनी स्तर पर सक्रिय रहकर लोगों से जुड़ें। उनका कहना था कि केवल कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही पश्चिम बंगाल में राजनीतिक बदलाव संभव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि जनता अब ममता सरकार की नीतियों से असंतुष्ट है और वह बदलाव चाहती है।

आंकड़े गिनाकर दी चेतावनी

अपने संबोधन में शाह ने कहा, 'ममता बनर्जी मेरा मजाक उड़ा रही थीं, ममता दीदी जब प्रभु श्री राम ने राम सेतु बनाया तब रावण ऐसा ही मानता था कि इस प्रकार से मुझे कोई हरा सकता है क्या? मैं आपको बताता हूं 2014 में हमें सिर्फ दो सीट मिली थी, 2019 में 41 फीसदी वोट और 18 सीटें मिली थीं, 2024 में 39 प्रतिशत वोट मिला और 2021 की विधानसभा में 38 प्रतिशत वोट और 77 सीटें लेकर सुवेंदु अधिकारी हमारे विपक्ष के नेता बने हुए हैं। ममता दीदी 38% से 45% का छलांग लगाना है आप इस बार देखना भाजपा का वोट 50% से अधिक होगा और प्रचंड बहुमत से हमारी सरकार बनने वाली है।'

राज्य में हिंसा डर का माहौल

शाह ने यह भी कहा कि राज्य में सालों से हिंसा, डर और भ्रष्टाचार का माहौल रहा है, जिसे बंगाल की जनता अब सहन नहीं करेगी। उन्होंने टीएमसी पर भी कड़ी बात करते हुए कहा कि यह पार्टी हिंसा और भय का पर्याय बन चुकी है और अब जनता इस राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी। शाह ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, और यह बदलाव जनता की इच्छानुसार होगा।

घुसपैठियों को खुश करने के लिए वंदे मातरम का विरोध

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने आगे कहा, 'इस साल वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है। पीएम मोदी की सरकार ने पूरे देश में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाने का फैसला किया है, लेकिन विडंबना देखिए। जब बंगाल में जन्मे और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम पर संसद में चर्चा हुई, तो ममता बनर्जी के सांसदों ने चर्चा का विरोध किया। क्या बंगाल की धरती वंदे मातरम के इस विरोध को बर्दाश्त कर सकती है? हमें यह संदेश बंगाल के हर व्यक्ति, हर वोटर, हर नागरिक तक पहुंचाना है कि ममता बनर्जी और टीएमसी वोट बैंक की राजनीति और घुसपैठियों को खुश करने के लिए वंदे मातरम का विरोध कर रहे हैं।'

कांगो की कोल्टन खदान में लैंडस्लाइड, 200 की मौत

एजेंसी ▶▶| किंशासा

पूर्वी अफ्रीकी देश में बड़ा हादसा

पूर्वी अफ्रीकी देश कांगो में एक खदान हादसा अब अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के नॉर्थ किवू प्रांत में स्थित रुबाया कोल्टन खदान में हुए भीषण भूस्खलन में अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

मरने वालों में खदान में काम करने वाले मजदूरों के साथ बच्चे और स्थानीय बाजार में काम करने वाली महिलाएं भी शामिल हैं। यह हादसा बुधवार को हुआ, लेकिन शुक्रवार तक भी मलबे से शव निकालने का काम जारी रहा। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि असली मृतकों की संख्या इससे कहीं ज्यादा हो सकती है, क्योंकि कई लोग अब भी लापता हैं।

किस चीज की खदान में हुआ हादसा?

रुबाया खदान राजधानी गोमा से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित है। यह खदान इसलिए बेहद अहम मानी जाती है क्योंकि यहां से निकलने वाला कोल्टन दुनिया भर में इस्तेमाल होता है। कोल्टन से टैंटलम नाम की धातु बनती है, जिसका इस्तेमाल मोबाइल फोन, कंप्यूटर, एयरोस्पेस उपकरण और गैस टर्बाइन जैसी आधुनिक तकनीकों में किया जाता है। आंकड़ों के मुताबिक, रुबाया खदान अकेले दुनिया की करीब 15 फीसदी कोल्टन सप्लाई देती है। ऐसे में इस हादसे का असर सिर्फ कांगो तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री पर भी इसका असर पड़ना तय है।

साध्वी प्रेम बाईसा केस में एसआईटी गठित

जयपुर। राजस्थान की मशहूर कथावाचक और भजन गायिका साध्वी प्रेम बाईसा की संदिग्ध हालात में हुई मौत से पूरे प्रदेश में हलचल मच गई है। मामला गंभीर होने के कारण पुलिस ने जांच तेज कर दी है। जोधपुर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने इस मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) बनाई है, जिसकी जिम्मेदारी एसीपी छवि शर्मा को सौंपी गई है।

साध्वी प्रेम बाईसा की मौत की गुत्थी सुलझने का नाम नहीं ले रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी तस्वीर साफ नहीं होने के बाद विसरा सैंपल जांच के लिए जयपुर भिजवाया। इस बीच इस मामले में गहराई से जांचके लिए एसीपी छवि शर्मा की अगुवाई में एसआईटी क गठन किया गया। एसआईटी में तकनीकी और साईबर टीम को भी शामिल किया गया। एसआईटी ने जांच शुरु कर दी. एसीपी छवि शर्मा ने बताय कि इंजेक्शन को लेकर जांच चल रही है कहां से खरीदा. साध्वी को इंजेक्शन लगाने वाले कपांउडर देवी सिंह से भी पूछताछ की। कहा इंजेक्शन सामान्य था इससे मौत की कम संभावना है। साध्वी की मेडिकल हिस्ट्री की भी जांच की जा रही है।

गाजा में अटैक, 12 लोगों की मौत, 6 बच्चे शामिल

तेलअवीव। गाजा में शनिवार को इजराइल ने हमला किया। इसमें 12 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिसमें 6 बच्चे भी शामिल हैं। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी के अस्पतालों ने बताया कि हमले में 2 परिवारों के लोग मारे गए हैं। हमले उत्तरी और दक्षिणी गाजा में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग और रिलीफ कैंप पर हुए। हमले की वजह से कैंप में आग लग गई। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने रिकॉर्ड किया है कि 10 अक्टूबर से सीजफायर शुरू होने के बाद इजराइली फायरिंग से 500 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय हुए जब रविवार को मिस्र बॉर्डर पर रफाह क्रॉसिंग खुलने वाली है, जो अमेरिका की मध्यस्थता वाले सीजफायर के दूसरे स्टेज का हिस्सा है।

केरल हाईकोर्ट का अहम फैसला

मेडिकल तरीके से गिराया जा सकेगा 31 हफ्ते का भ्रूण

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल हाईकोर्ट ने एक दंपती राहत दी है। कोर्ट ने उनके 31 हफ्ते से अधिक समय के भ्रूण का चिकित्सकीय गर्भपात कराने की अनुमति दी। यह भ्रूण दिमाग और सिर से जुड़ी जन्मजात गंभीर विकृतियों से पीड़ित है। जस्टिस शोभा अन्नम्मा ईप्पन ने मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर गर्भपात की इजाजत दी। बोर्ड ने राय दी थी कि अगर बच्चे का जन्म होता है तो वह गंभीर शारीरिक विकृतियों से ग्रस्त होगा। मेडिकल बोर्ड ने यह भी कहा कि गर्भावस्था को आगे बढ़ाना महिला के मानसिक स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों, रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री, इस विषय से जुड़े स्थापित कानूनी सिद्धांतों और मेडिकल बोर्ड की सिफारिशों पर विचार किया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि यदि गर्भपात की अनुमति नहीं दी गई, तो इससे केवल नतीजे में देरी होगी और परिवार की तकलीफ और बढ़ेगी।

कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को दिया निर्देश : कोर्ट ने कोट्टायम मेडिकल कॉलेज को गर्भपात कराने का निर्देश दिया। कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को तुरंत एक मेडिकल टीम गठित करने और प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा। कोर्ट ने कहा, मेडिकल टीम अपने विवेक और सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार चिकित्सा विज्ञान मंक सुझाई गई सबसे उचित प्रक्रिया अपनाएगी, ताकि गर्भपात किया जा सके और पहली याचिकाकर्ता (महिला) की जान बचाई जा सके। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि गर्भपात से पहले अंतिम स्कैन कर भ्रूण की विकृतियों की दोबारा पुष्टि की जाए।

अमेरिका से भारत आएंगी नटराज सहित 3 मूर्तियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका का नेशनल म्यूजियम ऑफ एशियन आर्ट शोध के बाद तमिलनाडु के मंदिरों से अवैध रूप से हटाई गई तीन प्राचीन कांस्य मूर्तियों को भारत सरकार को वापस कर रहा है।

इन कलाकृतियों में चोल काल (990 ईस्वी) की 'शिव नटराज', 12वीं शताब्दी की 'सोमास्कंद' और विजयनगर काल (16वीं सदी) की 'संत सुंदरर और परवई' की मूर्तियां शामिल हैं। यह वापसी बुधवार को घोषित की गई, जब शोधकर्ताओं ने पुष्टि कर दी कि इन्हें 1956 से 1959 के बीच तमिलनाडु के मंदिरों में देखा गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने इन नतीजों की समीक्षा करके मूर्तियों के अवैध निष्कासन की पुष्टि की है। म्यूजियम के निदेशक चेस रॉबिन्सन ने इसे नैतिक संग्रहालय प्रथाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है। समझौते के तहत शिव नटराज की मूर्ति म्यूजियम में प्रदर्शित रहेगी, जिससे इसके अवैध इतिहास और वापसी के सफर को दुनिया के सामने रखा जा सके। अमेरिका साल 2016 से अब तक भारत को 1500 सांस्कृतिक कलाकृतियां लौटा चुका है।

मूर्तियों का इतिहास

ये मूर्तियां दक्षिण भारतीय कांस्य ढलाई की समृद्ध परंपरा का बेहतरीन उदाहरण हैं। शिव नटराज की मूर्ति तंजावुर के श्री भाव औषधेश्वर मंदिर से जुड़ी है, जबकि सोमास्कंद की मूर्ति अलातूर गांव के विश्वनाथ मंदिर की है। संत सुंदरर और परवई की मूर्ति को 1956 में वीरसोलपुरम गांव के शिव मंदिर में फोटो खींचा गया था। ये सभी मूर्तियां मूल रूप से पवित्र थीं और मंदिर के जुलूसों में इस्तेमाल की जाती थीं।

चोरी पकड़ने के लिए हुआ रिसर्च

म्यूजियम ने अपने दक्षिण एशियाई संग्रह की व्यवस्थित समीक्षा की। साल 2023 में फ्रेंच इंस्टीट्यूट ऑफ पांडिचेरी के फोटो आर्काइव्स की मदद से पता चला कि ये मूर्तियां मूल रूप से तमिलनाडु के तंजावुर जिले और अन्य गांवों के मंदिरों में थीं। जांच में पाया गया कि 'शिव नटराज' की मूर्ति को 2002 में न्यूयॉर्क की एक गैलरी से खरीदा गया था, जिसने बिक्री के लिए फर्जी दस्तावेज पेश किए थे।

तमिलनाडु के मंदिरों से हुई थीं चोरी

अमेरिका से कलाकृतियों की वापसी का सिलसिला

भारत और अमेरिका के बीच सांस्कृतिक संपदा की वापसी में तेजी आई है। हाल ही में नवंबर 2024 में 10 मिलियन डॉलर मूल्य की 1,440 लूटी गई वस्तुएं लौटाई गईं. सितंबर 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान 297 पुरावशेष वापस मिले थे। इसके अलावा अक्टूबर 2022 में सुभाष कपूर जैसे बदनाम डीलरों से जुड़ी 307 वस्तुएं और जून 2023 में 105 अन्य कलाकृतियां भारत वापस आईं।

ITSA HOSPITALS

क्या आपको भी कैंसर से ज़्यादा, कैंसर के इलाज से डर लगता है?

सही इलाज की शुरुआत सही जानकारी से होती है।

कैंसर के प्रकार:

- स्तन कैंसर
- मुख एवं सिर-गर्दन का कैंसर
- फेफड़ों का कैंसर (ल्यूकेमिया, लिम्फोमा, मायलोमा)
- पाचन तंत्र के कैंसर (पेट, आंत, लीवर, पैंक्रियास)
- स्त्री-रोग संबंधी कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा, गर्भाशय)
- प्रोस्टेट कैंसर
- मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर
- हड्डी एवं सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर
- बाल्यावस्था के कैंसर

हर कैंसर एक जैसा नहीं होता।
इलाज भी एक जैसा नहीं होना चाहिए।

क्योंकि कैंसर का इलाज सिर्फ ट्यूमर हटाने तक सीमित नहीं होना चाहिए।

ITSA Hospitals में रोगी की बनावट, कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को भी उतनी ही प्राथमिकता देते हैं।

डॉ. जयेश शर्मा
MBBS, MS (Mumbai)
Fellowship in Surgical Oncology (Ahmedabad)
कंसल्टेंट कैंसर सर्जन
25+ वर्षों का क्लिनिकल अनुभव।

लाखों लोगों का भरोसेमंद नाम।
अब आपके निःशुल्क परामर्श के लिए उपलब्ध

दूसरी चिकित्सकीय राय मरीजों को यह समझने में मदद करती है:

- क्या वास्तव में सर्जरी आवश्यक है
- क्या कम आक्रामक इलाज के विकल्प संभव हैं
- रिकंस्ट्रक्शन या रिकवरी के क्या विकल्प उपलब्ध हैं
- रिकवरी और जीवन की गुणवत्ता कैसी हो सकती है

कैंसर का इलाज एक बड़ा फैसला होता है। इसलिए शुरुआत करें

फरवरी 2026 में निःशुल्क परामर्श

अम्बुजा सिटी सेन्टर मॉल के पास, सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़
+91 7880110000, +91 7880120000 www.itsahospitals.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

09 रिबाकिना ने किया बड़ा उलटफेर विश्व नंबर 1 सबालेंका को हराया...

विचार पेज
04 चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय

कारोबारी पूर्व में भी प्रतिबंधित सामान बेचने के आरोप में पकड़ा जा चुका है

खम्हारडीह थाने की पुलिस ने शनिवार को एक कारोबारी के मकान में दबिश देकर लाखों रुपए कीमत का हुक्का, हुक्का पीने के काम आने वाली सामग्री तथा गोगो रोल जब्त किया है। पुलिस जिस कारोबारी के घर में छापे की कार्रवाई करने पहुंची थी, वह पूर्व में इसी तरह के प्रतिबंधित सामान स्टोर करने तथा बेचने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। पुलिस कमिश्नर द्वारा गांजा पीने के लिए इस्तेमाल गोगो रोल सहित अन्य रोल पेपर को लेकर हरिभूमि की टीम ने स्टिंग ऑपरेशन कर शनिवार को प्रमुखता के साथ पान ठेला में अभी भी खुलेआम गोगो रोल पेपर बिक्री की खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कारोबारी के घर दबिश दी।

हम नहीं सुधरेंगे... कारोबारी से हुक्का गोगो रोल जब्त, पहले भी हो चुकी जब्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजीव नगर निवासी अशोक मदानी के निवास में पुलिस ने दबिश देकर घर के अंदर स्टोर कर रखे हुक्का, हुक्का सामग्री के साथ गांजा पीने के लिए इस्तेमाल रोल पेपर जब्त किया है। घर के अंदर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित सामान मिलने पर पुलिस ने ⏭शेष पेज 7 पर

खबर का असर

तीन दिन पूर्व पुलिस कमिश्नर ने लगाई है रोक

गांजा पीने के काम आने वाला किसी भी तरह के पेपर तथा अन्य सामान की खरीदी बिक्री करने पुलिस कमिश्नर ने तीन दिन पूर्व ही रोक लगाने आदेश जारी किया है। रोक के बाद भी कारोबारी के मकान में प्रतिबंधित सामान मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। बताया जा रहा है, कारोबारी शहर के अन्य छोटे दुकानदारों के साथ पान ठेला में गोगो पेपर तथा हुक्का का तंबाखू के साथ पीने के लिए ⏭शेष पेज 7 पर

दाम का इतना ज्यादा कम होना कारोबारियों के साथ निवेशकों के भी समझ से बाहर

अजूबा चांदी... चार लाख के पार जाकर 48 घंटे में 2 लाख 95 हजार पर फिसली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चांदी में नए साल में जिस तरह का दाम को लेकर खेल चल रहा है, वह समझ के बाहर है। कारोबारियों के साथ निवेशक भी नहीं समझ पा रहे हैं कि आखिर हो क्या रहा है। पहले कभी एमसीएक्स में ऐसा नहीं होता था। रात को 12 बजे भी दाम बहुत ज्यादा कम ज्यादा हो रहे हैं। अब शुक्रवार रात की बात लें, रात को 12 बजे 339000 से दाम अचानक 255000 हो गए। इसके बाद फिर दाम तीन लाख के पार हो गए। गुरुवार को दाम चार लाख के पार चले गए थे।

48 घंटों में दाम 118000 हजार कम होकर शनिवार की शाम को जीएसटी के साथ दाम 295000 हो गए। इसके पहले एक ही दिन में शुक्रवार को 82700 रुपए दाम कम हुए थे। चांदी के दाम गुरुवार को बाजार बंद होने पर 4 लाख 13 हजार 700 रुपए थे। इस दाम में शुक्रवार की शाम को छह बजे 71700 रुपए की कमी आ गई और दाम 3 लाख 42000 हो गए। इसके एक घंटे बाद सात बजे जब दाम खुले तो दाम और 11 हजार कम होकर दाम 3 लाख 31000 रुपए हो गए। आधे घंटे बाद दाम में 9 हजार की तेजी आई और दाम 33900 हो गए।

अलग खबर

निवेशक भी परेशानी में

चांदी के कम ज्यादा होते दामों के कारण निवेशक भी अब परेशानी में पड़ गए। निवेशकों को समझ ही नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। जिस तरह से एक झटके में 80 से 90 हजार दाम कम हो जा रहे हैं, उससे चांदी में निवेश भी खतरनाक हो गया है। महज फायदे के लिए निवेश करने वाले भी सोच में पड़ गए हैं कि आखिर निवेश करें या नहीं।

कारोबार पूरी तरह से चौपट

चांदी का कारोबार करने वाले सराफा कारोबारी बहुत दयनीय स्थिति में चले गए हैं। कारोबार पूरी तरह से चौपट हो गया है। चांदी में निवेश करने वाले ग्राहकों के साथ ही जेवर लेने वालों का भी टोटा हो गया है। चांदी के थोक कारोबारी लक्ष्मी नारायण लाहोटी के मुताबिक चांदी के जेवर अब वही खरीद रहे हैं जिनको शादी के लिए जरूरत है। इसमें भी अब बहुत कम ग्राम की खरीदारी हो रही है। चांदी की पायल अब 10 और 20 ग्राम की ही बिक पा रही है।

रात को 84 हजार का झटका

शुक्रवार की रात को 12 बजे चांदी के दाम ने 84 हजार का झटका दे दिया और दाम 255000 हो गया। हालांकि ये दाम ज्यादा समय तक नहीं रहा। इसके बाद पहले दाम तीन लाख और फिर दाम तीन लाख पांच हजार हो गए। शनिवार की सुबह को दाम तीन लाख पांच हजार रहे। ये दाम शाम होते-होते दो लाख 95 हजार हो गए। शनिवार को तो सुबह से लेकर शाम तक दाम दस हजार ही घटे, लेकिन गुरुवार से लेकर शनिवार की शाम तक के 48 घंटों में दाम एक लाख 18 हजार टूटे। सराफा कारोबारी हरख मालू के मुताबिक इतने कम समय में पहले कभी इतने दाम कम ज्यादा नहीं हुए हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

31 किलो अल्प्राजोलम टैबलेट जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार करके उनके पास से 31 किलोग्राम अल्प्राजोलम की टैबलेट जब्त किया है। आरोपी कथित तौर पर हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, एनसीआर में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के अवैध उत्पादन, परिवहन में लिप्त थे।

बेटा-बेटी के साथ मालगाड़ी के सामने कूदी महिला

हैदराबाद। हैदराबाद में 38 वर्षीय महिला ने अपने बेटे और बेटी के साथ मालगाड़ी के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। चर्लपल्ली रेलवे स्टेशन के पास रात 12:40 बजे चेंगिचेरला निवासी महिला, उसकी 18 वर्षीय बेटी और 17 वर्षीय बेटा ट्रेन के सामने कूद गए। पोस्टमार्टम के लिए तीनों के शवों को गांधी अस्पताल के शवगृह में भेजा गया है। घटना के कारणों का अब पता नहीं चल पाया है।

दम घुटने से 4 प्रवासी मजदूरों की मौत

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के बाहरी इलाके में किराए के एक मकान में रह रहे चार प्रवासी श्रमिकों की कथित तौर पर दम घुटने से मौत हो गई। ये प्रवासी मजदूर असम के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान जयंत शिंदे, नरेंद्रनाथ, डॉक्टर टाइड और धनंजय टाइड के रूप में हुई है। सभी की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है।

3000 करोड़ का निवेश घोटाला

मनोज, गोविंदा, शक्ति कपूर की बढ़ी मुश्किलें, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली

निवेश से जुड़े एक बड़े घोटाले में अभिनेता और भाजपा सांसद मनोज तिवारी, अभिनेता गोविंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे समेत कई लोगों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। इन सभी के खिलाफ निवेशकों को लुभाने और निवेश योजना का प्रचार करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक गाजियाबाद स्थित कंपनी मैक्सिम टच प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा यह मामला जमशेदपुर कोर्ट में सामने आया। आरोप है कि कंपनी ने निवेशकों को भारी मुनाफे का लालच दिया था। कंपनी की स्कीम में निवेश करने पर हर महीने करीब 15 प्रतिशत ब्याज देने का वादा किया गया था।

फिल्मी सितारों ने किया था कंपनी का विज्ञापन

बताया जा रहा है कि शिकायत कर्ताओं ने कंपनी में करीब 30 लाख रुपए तक का निवेश किया था। निवेशकों का आरोप है कि कंपनी ने तय समय पर ब्याज और मूलधन वापस नहीं किया। वहीं कंपनी का कहना है कि उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ, जिसके कारण भुगतान नहीं किया जा सका।

कानूनी प्रक्रिया जारी

जानकारी के मुताबिक कंपनी में जमशेदपुर के निवेशकों के करीब 150 करोड़ रुपए और झारखंड के निवेशकों के लगभग 600 करोड़ रुपए फंसे हुए बताए जा रहे हैं। पूरे घोटाले की रकम करीब 3000 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

आज से स्वास्थ्य उपकर

सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला महंगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क तथा पान मसाला पर स्वास्थ्य उपकर एक फरवरी से लागू हो जाएगा। यह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की उच्चतम 40 प्रतिशत की दर के ऊपर लगाया जाएगा। ये उपकर और उत्पाद शुल्क इन हानिकारक वस्तुओं पर एक जुलाई 2017 से लागू 28 प्रतिशत जीएसटी और क्षतिपूर्ति ⏭शेष पेज 7 पर

पान मसालों पर ऐसी सख्ती

पान मसाला निर्माताओं को नया पंजीकरण कराना होगा। ऐसे उत्पादों के निर्माताओं को सभी पैकिंग मशीनों को कवर करने वाली एक कार्यशील सीसीटीवी प्रणाली लगानी होगी। इसकी फुटेज को कम से कम 24 महीनों तक सुरक्षित रखना होगा। उन्हें उत्पाद शुल्क अधिकारियों को मशीनों की संख्या और उनकी क्षमता की जानकारी भी देनी होगी।

एपस्टीन फाइल्स नई कहानियां, जाल में फंस गए ट्रंप

पीएम मोदी की इजरायल यात्रा सच, बाकी बकवास

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एपस्टीन फाइल्स में प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल दौरे के जिक्र से देश में घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर हमला बोला है। उधर, विदेश मंत्रालय ने एपस्टीन फाइल्स में पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे के जिक्र की बात को विदेश खारिज किया है। मंत्रालय ने कहा है कि 2017 में पीएम मोदी का इजरायल दौरा हुई था। एपस्टीन मेल में इस दौरे की बात पूरी तरह से निराधार और बकवास है। उधर, ट्रंप एपस्टीन फाइल वाले जाल में फंस गए हैं। इससे ट्रंप की मुश्किलें भी बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल अमेरिकी न्याय विभाग ⏭शेष पेज 7 पर

मस्क को कई बार न्योता

एपस्टीन ने मस्क को अपने प्राइवेट आइलैंड पर आने के लिए कई बार न्योता दिया था लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा ट्रंप की है, जिनका जिक्र इस बार की एपस्टीन फाइल्स में भी है। फाइल्स में ट्रंप के खिलाफ लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों का जिक्र है, साथ ही दस्तावेजों में कई लोगों की गवाही दर्ज है।

ट्रंप-एपस्टीन में दोस्ताना संबंध

एक गवाह के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर एपस्टीन के पाम बीच वाले घर और निजी क्लब में आते-जाते थे। इतना नहीं कुछ ऐसी तस्वीरें और पुराने मैसेज भी मिले हैं जो ट्रंप और एपस्टीन के बीच दोस्ताना संबंधों को दिखाते हैं।

नए दस्तावेजों में राष्ट्रपति ट्रंप का भी नाम

जारी किए गए नए दस्तावेजों में भी कई प्रभावशाली लोगों के नाम हैं, जिनमें से एक नाम राष्ट्रपति ट्रंप का भी है। इसके अलावा अमेरिकी उद्योग पति बिल गेट्स और एलन मस्क का भी जिक्र हैं। ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू का भी नाम शामिल है। दावा किया है रूसी लड़कियों से संबंध के बाद बिल गेट्स बीमार हो गए थे। इन फाइल्स में एलन मस्क और एपस्टीन के बीच हुए ईमेल एक्सचेंज की जानकारी भी है।

"जमीन के गाइडलाइन के पुनरावलोकन एवं रियायत के बाद
नई संशोधित गाइडलाइन जारी करने पर ,"

धन्यवाद

छत्तीसगढ़ महतारी

माननीय मुख्यमंत्री
विष्णुदेव साय जी

लोकसभा स्पीकर
डॉ रमन सिंह जी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष
किरण सिंह देव जी

माननीय उपमुख्यमंत्री
अरुण साव जी

माननीय उपमुख्यमंत्री
विजय शर्मा

वित्त मंत्री, वाणिज्यिक कर मंत्री,
आवास मंत्री एवं पर्यावरण मंत्री
ओ.पी. चौधरी जी

सरलता व्यवहार मा, संकल्प हर काम म,
छत्तीसगढ़ ले विकसित छत्तीसगढ़ बनाए के रद्दा धरे,
हमर मुखिया अऊ ओपी भय्या ला हृदय से आभार।

बृजमोहन अग्रवाल जी

राजेश मूणत जी

अजय चंद्राकर जी

अमित साहू जी

अमित चिमनानी जी

सौजन्य **छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन**

Khanna

जीएसटी अफसर प्रशांत सिंह ने इस्तीफा वापस ले लिया

प्रशांत सिंह

अयोध्या। सीएम योगी के समर्थन में इस्तीफा देने वाले जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने यूटर्न ले लिया है। डिप्टी कमिश्नर ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी दबाव के इस्तीफा वापस ले रहे हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। हालांकि, इस दौरान प्रशांत कुमार ने अपने भाई पर गंभीर आरोप लगाए। भाई पर आरोप लगाते हुए जीएसटी अफसर ने बताया कि भाई विश्वजीत सिंह के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्वजीत सिंह ने अपने माता-पिता के साथ मारपीट भी की है, जिस मामले में एफआईआर भी दर्ज है। जीएस अफसर ने बताया कि भाई विश्वजीत सिंह मुख्तार अंसारी के मऊ गैंग का सक्रिय सदस्य है और उसका फाइनेंशियल एडवाइजर भी रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई ने जियो ब्रांच मैनेजर को जान से मारने की धमकी दी है और लोगों से वसूली भी करता है। उसका काम लोगों पर पैसे के लिए दबाव बनाना है, वह एक अपराधी है।

जवाबी सैन्य कार्रवाई में 57 लड़ाके मारे जाने का किया गया दावा

बलूच आर्मी का पाक के कई शहरों में अटैक, 10 पुलिसकर्मियों की मौत

एजेंसी ▶▶| इस्लामाबाद

बीएलए ने कहा कि उसने सैन्य ठिकानों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बनाया। साथ ही यह भी दावा किया कि मुख्य हाईवे बंद किए गए, ताकि सेना की कार्रवाई में बाधा डाली जा सके। बीएलए लड़ाकों ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ये दावा किया है कि उन्होंने क्वेटा के एक बाजार इलाके पर कब्जा कर लिया है

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने एक साथ 12 जगहों पर हमले किए। हमलों में कम से कम 10 सुरक्षाकर्मी की मौत हुई है। वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 57 लड़ाके भी मारे गए। एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि बलूच विद्रोहियों ने क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर जिले में शनिवार सुबह 12 से ज्यादा जगहों पर एक साथ हमले किए। राजधानी क्वेटा में कम से कम 4 पुलिसकर्मी मारे गए। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह 4 पुलिसकर्मी उन 10 सुरक्षाकर्मियों में शामिल हैं या नहीं। क्वेटा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी बताया कि लड़ाकों ने नुश्की जिले के डिप्टी कमिश्नर का अपहरण कर लिया है।

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया है। पाकिस्तान के अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद देर रात से लेकर शनिवार दोपहर तक सुरक्षा बलों ने जवाबी अभियान चलाया। इन अभियानों के दौरान भारी गोलीबारी हुई और बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गए। पीएम शहबाज शरीफ ने बयान जारी कर दावा किया कि इन हमलों को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने इसके लिए सुरक्षा बलों की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि उन्हें और पूरे देश को अपने शहीदों पर गर्व है। देश से आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

क्वेटा, पसनी, मस्तुंग, नुश्की और ग्वादर में किया हमला

बीएलए ने इसे 'ऑपरेशन हेरोफ' का नाम दिया

क्वेटा में सुरक्षाकर्मी धमाके वाली जगह का निरीक्षण करते हुए

सबसे गरीब राज्य है बलूचिस्तान

बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है, जबकि यहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है। शिक्षा, रोजगार और आर्थिक विकास के मामले में यह देश के बाकी हिस्सों से काफी पीछे है। यह इलाका लंबे समय से हिंसा और विद्रोह से जूझ रहा है। यह खनिज संसाधनों से भरपूर दक्षिण-पश्चिमी प्रांत है, जिसकी सीमा अफगानिस्तान और ईरान से लगती है। यहां लड़ाके अक्सर सरकारी बलों, विदेशी नागरिकों और दूसरे प्रांतों से आए लोगों को निशाना बनाते हैं।

पीएम मोदी ने अरब देशों के साथ नए 'अवसरों' की जताई उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

शनिवार को नई दिल्ली में भारत-अरब विदेश मंत्रियों की दूसरी बैठक (आईएएफएमएम) का आयोजन हुआ। इससे पहले अरब-लीग के विदेश मंत्रियों ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने एक्स पर कहा कि अरब लीग के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत करके अत्यंत प्रसन्नता हुई। अरब जगत भारत के विस्तारित पड़ोस का हिस्सा है, जो गहन सभ्यतागत बंधनों, जीवंत जन-संबंधों और अटूट भाईचारे के संबंधों के साथ-साथ शांति, प्रगति और स्थिरता के प्रति साझा प्रतिबद्धता से जुड़ा हुआ है। हमें विश्वास है कि प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, व्यापार और नवाचार में बढ़ा हुआ सहयोग नए अवसरों को खोलेगा। और साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

पीएम मोदी से अरब लीग के विदेश मंत्रियों की मुलाकात

भारत में वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। वहीं, देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं, जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। कह सकते हैं कि एविएशन सेक्टर में एक तरफ विकास की अपार संभावनाएं हैं तो दूसरी तरफ चुनौतियां भी मौजूद हैं। इसके लिए सरकार को इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत बनाना होगा, ताकि विमान हादसों पर यथासंभव रोक लगाई जा सके। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

चुनौतियों से घिरीं वायुमार्गीय यात्राएं

विश्लेषण

विकेश कुमार बडोला

वरिष्ठ पत्रकार

विमानों के माध्यम से वायुमार्गीय यात्रा अप्रत्याशित रूप में असुरक्षित हुई है, इसमें संदेह नहीं है। प्रतिवर्ष कोई न कोई विमान दुर्घटना हो ही रही है, जो मानव को आधुनिकता तथा विज्ञान के अभिशाप से निरंतर परिचित करा रही है। सीडीएस विपिन रावत का हेलिकॉप्टर, गुजरात में बोइंग विमान और अब महाराष्ट्र में अजित पवार का निजी विमान, सभी भयंकर रूप में दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं। उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

हाल ही में हुई विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु ने देश में वीआईपी वायु यात्रा और वायु मार्गों के सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। भारत जैसे विशाल तथा सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में राजनीतिक गतिविधियों और शासन के सुचारू संचालन के लिए आज विमान यात्रा एक आवश्यकता बन चुकी है, किंतु आवश्यकता के बढ़ने पर भी अधि संख्या में होने वाली विमान यात्राओं की शत-प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी है।

हवाई पट्टियों का समुचित प्रबंधन

नवीन विमान दुर्घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्तिगत क्षति नहीं है, बल्कि इसने हमारे देश के विमानन सुरक्षा नवाचार तथा विशेष रूप में लघु नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हवाई पट्टियों के समुचित प्रबंधन पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। अजित पवार की मृत्यु ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वायुमार्गीय वीआईपी आवागमन की समयावधि में सुरक्षा के उच्चतम मानकों में थोड़ी सी भी चूक प्राणघाती सिद्ध हो सकती है। अभी भारत में कई ऐसी हवाई पट्टियां हैं जो जनपदीय प्रशासन के अधीन हैं, जहां नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के निर्दिष्ट मानकों का पूर्ण पालन प्रायः चुनौतीपूर्ण होता है।

इस स्थिति में हवाई पट्टियों का समुचित संचालन अत्यावश्यक हो जाता है, और ऐसा होने पर ही वायुमार्ग का आवागमन सुरक्षा की परिधि में हो सकता है। विमान दुर्घटनाओं की

त्रासदी के आलोक में, वीआईपी आवागमन को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित करने के लिए अनेक कार्य करने होंगे। इसके लिए सर्वप्रथम विमानन के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण आवश्यक है।

नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य

देश में अधिसंख्य अस्थायी अथवा लघु आकार की हवाई पट्टियों पर रात्रि में विमान को उतारने की सुविधाएं व प्रबंधकीय व्यवस्थाएं अपर्याप्त हैं। प्रतिकूल वातावरण में नेविगेशन की सुविधाएं नगण्य हैं। जो सुविधाएं हैं, वे भी पुरानी हैं। इस दिशा में जो भी सुधार किए जाने हैं, वे तत्काल प्रभाव से युद्ध स्तर पर किए जाने चाहिए। इसके अंतर्गत सभी सक्रिय हवाई पट्टियों पर सटीक दृष्टिकोण पथसंकेतक लगाये जाएं। आधुनिक प्रकाश प्रणाली स्थापित की जाएं। रनवे की सतह और उसकी लंबाई का नियमित रूप में सुरक्षा परीक्षण अनिवार्य हो। मौसम संबंधी पूर्वानुमान प्रणाली को दुर्घटनाओं की चुनौतियों के अनुसार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। पहाड़ी या तटीय क्षेत्रों में, जहां मौसम क्षण-प्रतिक्षण परिवर्तित होता रहता है, वहां के लिए विशिष्ट पूर्वानुमान प्रणालियां सुव्यवस्थित ढंग से क्रियान्वित हों। उड़ानों के लिए केवल सामान्य मौसमीय जानकारी पर निर्भर रहने की तुलना में, हवाई पट्टियों पर प्रतिक्षण की मौसमीय जानकारी देने वाले स्वचालित मौसम सूचना प्रणालियां स्थापित की जाएं। विमान चालकों को उड़ान भरने से ठीक पहले मौसम की उपयुक्त जानकारी सुनिश्चित की जाए।

उड्डयन मानकों का पालन

प्रायः देखने में आता है कि राजनीतिक दबाव या समय की कमी के कारण विमान चालक प्रतिकूल मौसम में भी उड़ान भरने का जोखिम उठाते हैं। जबकि मौसम की प्रतिकूलता की स्थिति में राजनीतिक दबाव की तुलना में उड्डयन मानकों का कठोरतापूर्वक पालन सुनिश्चित होना अधिक महत्वपूर्ण होगा। वीआईपी आवागमन का अंतिम निर्णय विमान चालक के स्तर पर होना चाहिए। वहीं निश्चित करें कि उड़ान भरी जानी है अथवा स्थगित करनी है। यदि विमान चालक मौसम या तकनीकी कारणों से उड़ान भरने से मना करता है, तो बिना किसी प्रशासनिक दबाव के उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके लिए सुरक्षा संबंधी अतिरिक्त समय-निर्धारण की कार्यसंस्कृति विकसित की जाए, जिसमें निर्धारण हेतु निर्णायक की भूमिका में विमान चालक ही हो। उड्डयन संबंधी जो भी मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित है, उसका हर परिस्थिति में कठोरतापूर्वक पालन हो। वैसे तो नागरिक उड्डयन महानिदेशक के पास वीआईपी आवागमन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश होते हैं, किंतु धरातल पर इनका पालन नहीं होता। देखा गया है कि राजनीतिक मनमर्जी ऐसे दिशा-निर्देशों का पालन नहीं करने देती। इस स्थिति पर उड्डयन संबंधी नियमों का कठोर नियंत्रण सुनिश्चित होना चाहिए।

ईंधन गुणवत्ता की सघन जांच

उड़ान से पूर्व विमानों की तकनीकी उपयुक्तता का प्रमाणपत्र तथा ईंधन की गुणवत्ता की द्विस्तरीय सघन जांच होनी चाहिए। विमान को भूमि पर उतारने तथा उड़ान की समयावधि में विमान स्थल के कर्मचारियों और अग्निशमन संसाधनों की उपलब्धता अत्यंत अनिवार्य हो। विमान चालकों का प्रशिक्षण यदि गुणवत्तापूर्ण होगा तथा यदि उनके अधि कार्यघंटों को ध्यान में रख समुचित विश्राम देने का प्रबंधन नियमित होगा, तो भी दुर्घटनाओं की संभावनायें कम होंगी।

चालकों को हो विशेष अनुभव

देखा जाता है कि प्रायः एक ही चालक दल निरंतर कई यात्राओं में उड़ान व्यस्त होता है। यह स्थिति तत्काल प्रभाव से बदली जानी चाहिए। वीआईपी उड़ानों के लिए चालकों का विशेष अनुभव भी निर्धारित होना चाहिए। उन्नत संचार तकनीकों की भी वायुमार्गीय विमान यात्रा को सुरक्षित करने में व्यापक भूमिका हो सकती है।

इसके साथ ही, ध्यान रहे कि जिनके पास इनके संचालन का कार्यदायित्व हो, वे कार्य के प्रति निष्ठापूर्वक होकर समर्पित रहें।

संभावनाओं के साथ चुनौतियां भी कम नहीं

दृष्टिकोण

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

भारत का एविएशन सेक्टर दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। पिछले कुछ सालों में हवाई यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत बढ़ी है, लेकिन विमानों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। इस साल एविएशन सेक्टर का भविष्य मिश्रित दिखाई देता है। एक तरफ विकास की संभावनाएं हैं, दूसरी तरफ चुनौतियां - जैसे विमान और पायलटों की कमी तथा वित्तीय नुकसान। सबसे पहले, विमानों की कमी की वजह समझते हैं। भारत में एयरलाइंस जैसे इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट तेजी से फैल रही हैं। विमान बनाने वाली कंपनियां जैसे बोइंग और एयरबस समय पर विमान नहीं दे पा रही हैं। सप्लाई चेन की समस्या, कच्चे माल की कमी और मजदूरों की कमी से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। जानकारों का मानना है, 2026 में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफिक में सिर्फ 0-3% की बढ़ोतरी हो सकती है। वैश्विक स्तर पर देखें तो अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की रिपोर्ट कहती है कि 2026 में हवाई यात्री ट्रैफिक में 4.9% की बढ़ोतरी होगी। भारत इसमें बड़ा योगदान देगा, क्योंकि यहां अर्थव्यवस्था मजबूत है और मध्यम वर्ग बढ़ रहा है। 2026 में एविएशन सेक्टर कैसा रहेगा? सकारात्मक पक्ष से शुरू करें। बोइंग ने घोषणा की है कि 2026 में भारतीय एयरलाइंस को 25 नए विमान दिए जाएंगे। यह क्षमता बढ़ाएगा और कनेक्टिविटी बेहतर होगी। कुल मिलाकर, भारत का फ्लीट 2026 में 100 से ज्यादा विमानों से बढ़ सकता है। एयरबस का अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल फ्लीट तीन गुना होकर 2250 विमानों तक पहुंच जाएगा। अभी यह 850 के आसपास है। यूनियन बजट में एविएशन पर फोकस है। इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार, एयरपोर्ट क्षमता बढ़ाना और सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। विंग्स इंडिया 2026 जैसे इवेंट में नए सौदे और निवेश की बात हो रही है। बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइसल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं। जानकारी के अनुसार, 2026 में वैश्विक स्तर पर 120 बिलियन डॉलर के नए विमान डिलीवर होंगे। भारत में पायलटों की कमी एक बड़ी समस्या है। बिजनेस एविएशन में पायलट शॉर्टेज और मेंटेनेंस की दिक्कतें हैं। 2035 तक 35,000 पायलटों की जरूरत होगी, अभी सिर्फ 12,000 हैं। टेक्निकल स्टाफ भी तीन गुना बढ़ाना पड़ेगा। अब बात सुधार की। एविएशन सेक्टर में सुधार के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। सबसे पहले, सरकार को इंफ्रास्ट्रक्चर पर और निवेश करना चाहिए। इकोनॉमिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि एविएशन, पोर्ट्स और शिपिंग में मजबूत ग्रोथ होगी, और जीडीपी ग्रोथ 7% तक पहुंच सकती है। 10 सालों में 200 एयरपोर्ट हो सकते हैं, अभी 150 हैं। मेक इन इंडिया के तहत विमान पार्ट्स बनाने वाली फैक्टरियां लगाएं। बोइंग और एयरबस से ज्यादा पार्टनरशिप करें। पायलट ट्रेनिंग के लिए नए संस्थान खोलें। मेंटेनेंस के लिए स्पेयर पार्ट्स की लोकल सप्लाई चेन बनाएं। टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जैसे एआई से उड़ान शेड्यूल ऑप्टिमाइज करें और साइबर सिक्योरिटी मजबूत करें। एयरलाइंस को फाइनेंशियल सपोर्ट दें, जैसे टैक्स छूट। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) पर फोकस करें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहे। 2025 में हुई दुर्घटनाओं से सीखें और ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाएं। कुल मिलाकर, अगर ये सुधार किए गए तो 2027 में ट्रैफिक 6-8% बढ़ सकता है। इस बाबत ईमानदारी से प्रयास किए जाने जरूरी हैं। बेशक, 2026 में भारत का एविएशन सेक्टर चुनौतियों से भरा रहेगा, लेकिन विकास की राह पर है। विमानों की कमी से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। अधिकतर एयरलाइंसों का अपने मुसाफिरों को लेकर रवैया कोई बहुत सही तरह का नहीं रहता। राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही अराजकता फैली रहती है। मुसाफिरों को यहां से वहां धक्के खाने पड़ते हैं। अगर सरकार, एयरलाइंस और मैन्युफैक्चरर्स मिलकर काम करें तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बन सकता है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि लाखों लोगों को रोजगार देगा। उम्मीद है कि आने वाले महीनों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

बोइंग का कहना है कि 2044 तक भारत और दक्षिण एशिया को 3300 नए विमानों की जरूरत होगी, जिसमें 90% सिंगल-आइजल जेट होंगे। इससे रोजगार बढ़ेगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन चुनौतियां भी कम नहीं हैं। विमानों की कमी से एयरलाइंस ग्रोथ नहीं कर पा रही हैं।

हवाई आधारभूत संरचना में मजबूती लाना जरूरी

मुद्दा

वरिष्ठ पत्रकार

योगेश कुमार सोनी

बीती 28 जनवरी को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया। इस घटना से पूरे राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार विजिबिलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिंग की कोशिश नाकाम हो गई थी, इसलिए यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद से सवाल उठ रहे हैं कि विमान दुर्घटना की जांच को लेकर भारत में इसके लिए कितना इंफ्रास्ट्रक्चर है? और यह सच संपूर्ण रूप से बाहर आ पाता है या नहीं कि दुर्घटना किस वजह से हुई? कमर्शियल से लेकर प्राइवेट प्लेन तक दुर्घटनाओं की चपेट में आ रहे हैं। जबकि भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में प्लेन का सफर सबसे ज्यादा जोखिम भरा माना जाता है। चूंकि यदि छोटी सी भी घटना या प्लेन में कोई कमी हो जाए तो निश्चित तौर पर मौत तय है और इसलिए प्लेन की पूरी तरह से जांच होनी अनिवार्य होती है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ। आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच साल में भारत में कुल 53 हवाई हादसे हुए हैं। इन हादसों में कुल 320 से ज़्यादा लोगों की जान गई है। जबकि करीब 180 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

वहीं, साल 1947 से लेकर अब तक हुए हादसों में 2,000 से अधिक लोगों की जान गई है। भारत में कुल 487 हवाई अड्डे और हवाई पट्टियां हैं जिनमें से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 137 का प्रबंधन करता है इनमें 34 अंतरराष्ट्रीय और कई घरेलू हवाई अड्डे शामिल हैं और भारत में लगभग 148 परिचालन हवाई अड्डे हैं, जो यात्रियों को कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। यह कमर्शियल व प्राइवेट दोनों के लिए हैं। देश में लगभग हर वर्ष एक बड़ा विमान हादसा हो रहा है। इससे तंत्र प्रणाली को सबक लेना चाहिए, चूंकि केवल बजट पारित करने के अलावा हाई टेक सिस्टम के साथ अपडेट होने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार खासतौर पर टेकऑफ और लैंडिंग के दौरान मौसम का असर सबसे घातक साबित होता है। मौसम सीधे तौर पर विमान की विजिबिलिटी बैलेंस, इंजन कैपेसिटी और पायलट के निर्णय को प्रभावित करता है। खराब मौसम में एक छोटी-सी चूक भी बड़ी दुर्घटना में बदल सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार किसी भी फ्लाइट के कुल समय का केवल 5 से 6 प्रतिशत हिस्सा टेकऑफ और लैंडिंग में लगता है लेकिन 70 प्रतिशत से ज्यादा हवाई हादसे इसी चरण में होते हैं और इसके लिए हम किसी भी रूप में अपडेट नहीं हो पाते। यही कारण है कि हम विमान के हादसे की सही से जांच नहीं कर पाते। इसकी वजह से अधिकतर मामलों में सच सामने आ ही नहीं पाता। हमारा इंफ्रा उतना मजबूत नहीं है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय मुख्य काम हवाई अड्डों की योजना, सुरक्षा, विमान नियम बनाना और हवाई यातायात सेवाओं की देखरेख करना है, लेकिन इतने बड़े मंत्रालय के पास अधिकतर अपने कार्य से संबंधित उत्तर नहीं होता तो इसमें आम आदमी को सही उत्तर कहां से मिलेगा। यदि भारत में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़े तो उसके लिए हमारे पास अधिकतर रूट पर बहुत ज्यादा विकल्प नहीं है और स्थिति तो यह भी है कि बड़े-बड़े एयरपोर्ट के पास तक कॉलोनियां बसी हुई हैं। हम हादसों से पहले कभी जागते नहीं और कुछ दिन मात्र अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर फिर से पुराने ढर्रे पर चल पड़ते हैं। बहरहाल, कोई भी सरकार नहीं चाहती कि इस तरह के हादसे हों, लेकिन यदि किसी घटना की आशंका जिस वजह से ज्यादा हो, उस पर गंभीरता दिखाना सरकार का कर्तव्य माना जाता है। उड्डयन तंत्र प्रणाली को लेकर भी अब सजग होना अनिवार्य है। हमारे देश में हर रोज लगभग 6 लाख लोग हवाई सफर करते हैं। हवा में यात्रा करना भरोसा होता है सिस्टम पर, चूंकि एक विमान में 600 तक लोगों के बैठने की क्षमता होती है और उसके संचालित करने के लिए टीम होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बीते दशक भर में हमारे देश में सड़कों पर बहुत बड़े स्तर पर काम हुआ है और हम इसी तरह की उम्मीद हवाई यात्रा की तंत्र प्रणाली के लिए करते हैं ,चूंकि अब हवाई सफर करने वालों की संख्या हर रोज बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना यह है कि जिस स्तर पर भारत की जनसंख्या बढ़ी और हर तरह के विमान में बढ़ोतरी हुई, उस स्तर पर सिस्टम अपडेट व अपग्रेड नहीं हुआ।

कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम पर भी ध्यान दे सरकार

व्यवस्था

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

भारतीय एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन क्रैश, साइबर अटैक, तकनीकी खराबियों और उड़ानों में अव्यवस्था ने सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। बजट 2026 से उम्मीद है कि सरकार कनेक्टिविटी के साथ-साथ सिस्टम और सुरक्षा को भी मजबूत करेगी।

भारतीय एविएशन के लिए बीता हुआ साल बेहद मुश्किल साल रहा। एयर इंडिया का एक जानलेवा हादसा, एयरलाइंस और एयरपोर्ट सिस्टम पर साइबर अटैक, लगातार टेक्निकल खराबियां और दिसंबर में इंडिगो की बड़ी गड़बड़ी ने दिखा दिया कि सिस्टम कितना नाजुक हो गया है। इंडियन एविएशन सेक्टर आज जिस स्थिति में खड़ा है, उसे देखकर यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत की आसमान में उड़ान भरने की महत्वाकांक्षा और उसकी जमीनी हकीकत के बीच बेहद गहरा अंतर है। बीते दशक में भारत ने एविएशन के बुनियादी ढांचे, एयरपोर्ट्स, क्षेत्रीय संपर्क और यात्रियों की संख्या के लिहाज से अभूतपूर्व बढ़ोतरी दर्ज की है, लेकिन एयरलाइंस के ऑपरेशन्स, फाइनेंशियल स्टेबिलिटी और कम्पेटिटिव एनवायरमेंट के मोर्चे पर तीव्र संकट से गुजर रहे है। सवाल अहम है कि क्या भारत की एविएशन इंडस्ट्री जितनी तेजी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से उसे सुरक्षित रखने वाले सिस्टम भी मजबूत हो रहे हैं? पहले चर्चा सिर्फ विस्तार (एक्सपेंशन) की होती थी, अब बात दबाव और जोखिम की होने लगी है।

यह विरोधाभास जितना चौंकाने वाला है, उतना ही चिंताजनक भी। भारत में एविएशन सेक्टर में विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन यह विकास टिकाऊ तभी होगा, जब मार्केट स्ट्रक्चर हेल्दी हो, नीतियां संतुलित हों और रेगुलेशन स्ट्रॉन्ग हो। आज की स्थिति में इंडिगो जैसी कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी। भारतीय एविएशन सेक्टर को गौर से देखें तो यह दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है, जो अभी मुख्यतः इंडिगो और एयर इंडिया पर ही टिका है। भारी संख्या में फ्लाइट पैसेंजर होने के बावजूद दूसरी कोई एयरलाइंस इस इंडस्ट्री में प्रभावी नहीं है। एविएशन एक्सपर्ट के मुताबिक, यह कोई सामान्य समस्या नहीं है, बल्कि खराब पॉलिसी का नतीजा है। पिछले 20 सालों में जब भी जेट

आज की स्थिति में इंडिगो जैसी विमान कंपनियों की मोनोपोली जितनी यात्रियों के लिए हानिकारक है, उतनी ही उद्योग के लॉन्ग टर्म फ्यूचर के लिए भी है।

एयरवेज या किंगफिशर जैसी बड़ी एयरलाइंस डूबीं, तो उस समय भी सरकार की ओर से इन कंपनियों को बचाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अगर सरकार समय से कदम उठाती तो संभवतः आज हजारों नौकरियां सुरक्षित और हमारी हवाई क्षमता बेहतर होती। सरकार एविएशन सेक्टर में किसी भी तरह के नए निवेश को आकर्षित करने में विफल रही है। आज, सरकार की बहुप्रचारित 'उड़ान' योजना का हश्र देखिए। दावा था 2,500 रुपये में हवाई यात्रा का, लेकिन दिसंबर 2025 में सरकार खुद 1500 किमी से कम की उड़ानों के लिए 18,000 रुपये तक की कैपिंग (सीमा) लगा रही है। एकाधिकार की प्रवृत्ति को रोकने के लिए और अधिक एयरलाइंस की सख्त जरूरत है। वर्तमान में, भारतीय घरेलू विमानन बाजार पर मुख्य रूप से दो बड़े समूहों का वर्चस्व है, जिससे प्रतिस्पर्धा का संतुलन बिगड़ गया है। बाजार का लगभग 90 फीसदी हिस्सा केवल इन दो समूहों (इंडिगो और टाटा) के नियंत्रण में है। भारत में और एयरलाइंस की सख्त आवश्यकता है। नई एयरलाइंस न केवल किराया कम करने में मदद करेंगी, बल्कि परिचालन संकट के समय बाजार को स्थिरता भी प्रदान करेंगी। भारत का एविएशन उद्योग सालाना 10 से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, यह दुनिया में सबसे तेज़ ग्रोथ है। उस हिसाब से नए निवेश को आकर्षित करना चाहिए। मौजूदा हालात से बचने के लिए सरकार को अपना लागत ढांचा तर्कसंगत बनाना चाहिए। अभी बेइंतहां टैक्स है, एयरपोर्ट ऑपरेटर्स यात्रियों से तरह-तरह के शुल्क ले रहे हैं। जीएसटी आदि के नाम पर भी तरह तरह के टैक्स हैं। इन सारी वजहों से इस सेक्टर पर नए निवेश नहीं आ पा रहे हैं।

दूसरी सलाह है, बाज़ार हिस्सेदारी की सीमा तय की जानी चाहिए और 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। भारत यदि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एविएशन मार्केट बनना चाहता है तो उसे नीतियों को विस्तार से परे जाकर गहराई में सुधारना होगा। सबसे पहला उपाय होना चाहिए, एटीएफ को जीएसटी में लाना, दूसरा डीजीसीए को अधिक स्वायत्त, सशक्त और उत्तरदायी संस्था बनाया जाए, तीसरा यात्रियों को यूरोपीय मॉडल की तरह मुआवजे का कानूनी अधिकार मिले और चौथा नए खिलाड़ियों के प्रवेश को सरल बनाया जाना चाहिए, ताकि प्रतिस्पर्धा बनी रहे। भारत का एविएशन सेक्टर आज आईसीयू में है। हमने 'प्रतिस्पर्धा' को मारकर 'एकाधिकार' को चुना है। 2009 के 'राष्ट्रीय परिवहन विकास नीति समिति' ने जिस वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर का सपना देखा था, उसे आज 'सेल्फी पॉइंट्स' और महंगे एयरपोर्ट बर्गर में बदल दिया गया है।

एविएशन सेक्टर : थोड़ा है और थोड़े की जरूरत है

विस्तार

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

निश्चित तौर पर भारत का एविएशन सेक्टर यानी उड्डयन क्षेत्र बीते एक दशक में तेजी से विकसित हुआ है। बढ़ती आबादी, मध्यम वर्ग का विस्तार, व्यापार और पर्यटन में वृद्धि तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग ने हवाई यात्रा को अब केवल लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है। आज हवाई सफर समाज के हर वर्ग की पहुंच में आता दिखाई दे रहा है।

यह बदलाव भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक तस्वीर को भी दर्शाता है। हाल के वर्षों में केंद्र सरकार ने देशभर में हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विशेष जोर दिया है। पटना, दतिया, सतना, अमरावती, तूतीकोरिन, पूर्णिया, नवी मुंबई और गुवाहाटी जैसे शहरों में नए एयरपोर्ट और आधुनिक टर्मिनल सुविधाओं का विकास किया गया है। इससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत हुई है और बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु जैसे राज्यों में आर्थिक गतिविधियों को गति मिली है। सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी ने इस सेक्टर को नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ाया है। इसके बावजूद यह कहना जल्दबाजी होगी कि हम पूरी तरह संतुष्ट स्थिति में पहुंच चुके हैं। इस क्षेत्र में अभी कई बुनियादी जरूरतें और कमियां मौजूद हैं। सीनियर एविएशन कंसल्टेंट जी. एस. बाबा के अनुसार, हम प्रगति के रास्ते पर जरूर हैं और संभावनाएं भी बहुत हैं, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। सबसे पहले विमानों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। इसके साथ पायलटों के प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और रखरखाव ढांचे को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल की दिशा में तेज प्रगति भी समय की मांग है। विमानों की उपलब्धता के संदर्भ में भी बड़ा अंतर दिखाई देता है। वर्तमान जरूरतों और भविष्य की मांग को देखते हुए बेड़े के विस्तार की आवश्यकता है। ऐसे में 'मेक इन इंडिया' के तहत विमान निर्माण और एयरोस्पेस विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास सकारात्मक संकेत देते हैं। पायलट प्रशिक्षण और तकनीकी कौशल विकास के लिए समर्पित समझौते (एमओयू) और प्रशिक्षण ढांचे का विस्तार भी उत्साहजनक कदम है। साथ ही भारत में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल) सुविधाओं का विकास इस क्षेत्र को

दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर इस सेक्टर की रीढ़ है। यदि हम घरेलू यातायात को बेहतर ढंग से विकसित और व्यवस्थित कर लें, तो आत्मनिर्भर एविएशन प्रणाली बनाना कठिन नहीं होगा।सरकार द्वारा छोटे एयरपोर्ट के विकास और छोटे विमानों के संचालन को बढ़ावा देना एक प्रभावी रणनीति साबित हो सकती है। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना 'उड़ान' के माध्यम से टू-टियर और थ्री-टियर शहरों को जोड़ने का प्रयास सराहनीय है। इससे न केवल यात्रियों को सुविधा मिलती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल और पर्यावरण-अनुकूल नीतियों पर काम भी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप है।हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। कई एयरलाइंस आर्थिक दबाव का सामना कर चुकी हैं। ईंधन की ऊंची कीमतें, जटिल टैक्स ढांचा, सीमित एयरपोर्ट स्लॉट, परिचालन लागत और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी विकास की गति को प्रभावित करती है। छोटे हवाई अड्डों की व्यावसायिक व्यवहार्यता भी एक गंभीर प्रश्न है, वहां इंफ्रास्ट्रक्चर तो बन जाता है, पर यात्री संख्या और उड़ानों की निरंतरता सुनिश्चित करना चुनौती बना रहता है। सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन भी इस क्षेत्र की अनिवार्य जरूरतें हैं। बढ़ते हवाई यातायात के साथ सुरक्षा मानकों को और सख्त करना होगा। एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट, विमान रखरखाव और तकनीकी निगरानी को विश्वस्तरीय बनाना आवश्यक है। साथ ही कार्बन उत्सर्जन कम करने और हरित ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह भी जरूरी है कि एविएशन सेक्टर केवल महानगरों तक सीमित न रहे। उत्तर-पूर्व, पहाड़ी और दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क जीवनरेखा का काम कर सकता है। मेडिकल इमरजेंसी, आपदा प्रबंधन और आवश्यक सेवाओं के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए नीतियों में लाभ के साथ सामाजिक उपयोगिता को भी बराबर महत्व मिलना चाहिए। भारत जैसा विशाल और उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश अभी एविएशन संभावनाओं का केवल एक छोटा हिस्सा ही उपयोग कर पाया है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत का एविएशन सेक्टर सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन यात्रा अभी अधूरी है। दीर्घकालिक नीति, स्थिर निवेश, कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर ही इस क्षेत्र को वास्तव में सशक्त बनाया जा सकता है।

सत्यमेव जयते

नागर विमानन मंत्रालय
भारत सरकार

ऐसा चाहूं राज मैं, जहां मिले सबन को अन्न।
छोट-बड़ो सब सम बसै, रविदास रहे प्रसन्न।।

श्री गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती

पर उनके कालजयी संदेशों को याद करते हुए

आदमपुर हवाई अड्डे का पुनःनामकरण

श्री गुरु रविदास महाराज जी हवाई अड्डा, आदमपुर

तथा

हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन

(वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)

का उद्घाटन

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

मुख्य विशेषताएं : हलवारा एयरपोर्ट

- पंजाब के मालवा क्षेत्र की बढ़ती क्षेत्रीय हवाई यात्रा की मांग को पूरा करना
- प्रति वर्ष दो लाख यात्रियों के लिए पर्यावरण अनुकूल टर्मिनल
- व्यापार, उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना
- कोड सी प्रकार के विमानों (A321/B737) के लिए उपयुक्त

रविवार, 01 फरवरी, 2026 | 1545 बजे | आदमपुर हवाई अड्डा, पंजाब

CBC 03111/15/0013/2526

आदमपुर हवाई अड्डा

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज पर देखें

हलवारा हवाई अड्डा

तरकश

संजय के. दीक्षित

एसपी की पीड़ा या दु:साहस!

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के एसपी धर्मेंद्र छवई ने प्रमोशन में नाइंसाफी को लेकर सीधे मुख्यमंत्री और डीजीपी को पत्र लिख डाला। पत्र भी सिंपल नहीं। नाराजगी और गंभीर आरोपों के साथ...फलां-फलां अफसरों का प्रमोशन किया गया तो मेरा क्यों नहीं? हो सकता है, प्रमोशन में एसपी के साथ न्याय न हुआ हो। मगर इससे बड़ा सवाल यह है कि एसपी क्या सीधे मुख्यमंत्री को पत्र लिख सकता है? सरकारी सिस्टम में मुलाजिमों को अपना पक्ष रखने का एक तरीका बनाया गया है। उपर से एसपी ऐसा करें...देश के किसी राज्य में ऐसा नहीं हुआ होगा। जाहिर है, कलेक्टर और एसपी जिलों में मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हैं। सरकार अपने पसंदीदा अफसरों को ही कलेक्टर-एसपी बनाती है। मगर कलेक्टर-एसपी ही लगे सरकार को निशाने पर लेने तो फिर उस राज्य के सिस्टम का क्या होगा? एक बड़ा प्रश्न यह भी...एसपी ने अगर सीमाएं लांघी तो सिस्टम ने क्या किया? अभी तक नोटिस या शोकॉज जारी होने की भी कोई जानकारी नहीं है। सरकार के अच्छे कामों का संदेश अगर जनता के बीच नहीं जा पा रहा तो इसके पीछे इस तरह की घटनाओं का बड़ा हाथ है।

दमदार अफसर

प्रमोटी आईपीएस अधिकारी सरकार को चमका दे...छत्तीसगढ़ बनने के 25 साल में ऐसा कभी डायरेक्ट आईपीएस अफसरों ने भी नहीं किया। मुकेश गुप्ता जैसे अब तक के सबसे दमदार आईपीएस की भी हिम्मत नहीं पड़ी। अच्छी तरह याद है...मुकेश को डीआईजी से आईजी बनने के लिए कई साल वेट करना पड़ा था। तत्कालीन डीजीपी ओपी राठौर एकदम अड़ गए थे...प्रमोशन नहीं होने दूंगा। मगर मुकेश गुप्ता ने कभी मुख्यमंत्री को पत्र नहीं लिखा। हालांकि, बाद में रमन सिंह ने डीजीपी से बात कर उन्हें मुकेश के प्रमोशन का रास्ता निकाला था। बहरहाल, मुकेश गुप्ता से अधिक डेसिंग वाले प्रमोटी आईपीएस धर्मेंद्र छवई निकले। बता दें, छवई पर बैकडोर से आईपीएस बनने का आरोप लगा था। उन्होंने रापुसे अधिकारी के रूप में पूरी नौकरी एमपी में की थी। वहां एक संवेदनशील केस में सस्पेंड हुए, एफआईआर भी हुआ। खैर, ये निजता का मामला है, इसलिए इस पर टिप्पणी मुनासिब नहीं। बहरहाल, धर्मेंद्र छवई प्लानिंग के तहत एमपी से 18 साल बाद 2018 में छत्तीसगढ़ आए। और उन्होंने छत्तीसगढ़ के रापुसे अधिकारियों के विरोध के बाद भी आईपीएस बनकर दिखा दिया कि उनमें दम तो है। धर्मेंद्र अगर एमपी में होते तो इस साल आईपीएस बनते। बैच भी 2016 या 17 मिलता। छत्तीसगढ़ में वे 2023 में आईपीएस बने और बैच भी 2013 का मिल गया। एसपी के तौर पर बेमेतरा, महासमुंद के बाद कवर्धा उनका तीसरा जिला है। छत्तीसगढ़ में इतने बड़े-बड़े लॉटरी पाने के बाद भी वे सरकार को पत्र लिख मार रहे तो इससे साबित होता है कि वे कितने साहसी पुलिस अधिकारी हैं।

सीएस, डीजीपी की जिम्मेदारी!

छत्तीसगढ़ का सिस्टम अगर डिरेल्ड हो रहा तो, कार्यपालिका की भी जिम्मेदारी बनती है। नए-नए अफसर अगर राज्यपाल के एडीसी बनने से इंकार कर दें, अफसर सरकार का आदेश न माने, पुलिस अधीक्षक नियम-कायदों को ताक पर रख सरकार को पत्र लिख दें, तो इसकी एकाउंटबिलिटी से मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मुक्त नहीं हो सकते। सरकारी मुलाजिमों की घोर अनुशासनहीनता पर सीएस और डीजीपी अगर कोई कार्रवाई नहीं कर सकते को बुलाकर क्लास लगाने से कौन रोक सकता है। कुल मिलाकर सूबे के मुलाजिमों में अराजकता बढ़ती जा रही है। कर्मचारियों की तुलना में बड़े अधिकारी ज्यादा अनुशासनहीनता कर रहे। इसे अगर ठीक नहीं किया गया तो पूरी पौध खराब हो जाएगी।

आईजी का वसूलीबाज गैंग

पुलिस मुख्यालय जितना सक पा रहा, कार्रवाई भी कर रहा है। एक आईजी साहब ने पिच पर उतरते ही धुआंधार बैटिंग शुरू कर डाली। एक एडिशनल एसपी को गैंग का मुखिया बनाया तो दूसरे जिले के एक सिपाही को भी बुलाकर काम में लगा दिया। मगर बात पहुंच गई इंटेलिजेंस चीफ के पास। उन्होंने आईजी और एडिशनल एसपी को जमकर हड़काया। इससे ज्यादा उनके हाथ में भी नहीं। कॉन्स्टेबल को जरूर एसपी को बोल निपटवा दिया। मगर ये भी सही है कि सिस्टम जब तक सख्त संदेश नहीं देगा, तब तक अराजकता कम नहीं होने वाला।

अफसर सस्पेंड

बात अनुशासनहीनता की निकली तो यहां रायपुर पुलिस कमिश्नर के बैचमेट के निलंबन की घटना ताजा हो गई। बात 2004 की है। सरकार ने नॉन आईपीएस संजय तिवारी को बीजापुर का एसपी बनाया था। उन्होंने नक्सल प्रभावित जिले में जाने से इंकार कर दिया। इस पर डीजीपी ओपी राठौर बड़े नाराज हुए। उन्होंने खुद ही मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह से बात कर संजय तिवारी को सस्पेंड करवाया। बाद मे संजय अपने मूल कैडर एमपी चले गए।

बालाघाट आगे, जशपुर पीछे

छत्तीसगढ़ सरकार ने कुछ साल पहले तय किया था कि अब किसी को न तो एक्सटेंशन दिया जाएगा और न संविदा नियुक्ति। मगर यह संकल्प ऐसा टूटा कि ईएनसी जैसे पदों पर लगातार संविदा नियुक्ति दी जा रही। जल संसाधन के ईएनसी इंद्रजीत को रिटायर होने के बाद जुलाई 2025 में उसी पद पर छह महीने की संविदा नियुक्ति मिली थी। सुना है, उनको अब एक्सटेंशन मिल गया है। ऐसा नहीं कि वहां ईएनसी का कोई दावेदार नहीं। जशपुर के रहने वाले छत्तीसगढ़िया आदिवासी अफसर जेआर भगत ने ईएनसी के संविदा नियुक्ति के खिलाफ कोर्ट में याचिका लगाई तो पर्दे के पीछे पता नहीं क्या चकरी घुमाई गई कि उन्होंने अपनी अर्जी वापिस ले ली। बताते हैं, भगत को बैकफुट पर लाने के लिए उनकी पुरानी फाइल खोल दी गई। उधर, विभाग ने बालाघाट के इंद्रजीत को उपकृत करने ऐसा ताना-बाना बनाया कि एसई से सीई में सालों तक प्रमोशन नहीं हुआ। ताकि, इंद्रजीत को कोई रिप्लेस नहीं कर पाए। भीतरखाने में चर्चाएं ये भी है कि ईएनसी के दावेदार छत्तीसगढ़ियां मुख्य अभियंता को रिटायरमेंट के बाद संविदा पोस्टिंग का प्रलोभन दिया गया ताकि वे मुंह बंद कर लें। पता नहीं इंद्रजीत ने क्या जादू किया कि पूरे सिस्टम को जीत लिया है।

शह-मात की सियासत और गोद

पहले मध्यप्रदेश और फिर राज्य बनने के बाद 18 साल तक बिलासपुर सियासत के मजबूत केंद्र के तौर पर जाना जाता था। मगर 2019 से बिलासपुर की उपेक्षा शुरू हुई, वह निरंतर जारी है। अलबत्ता, अब तो बीजेपी के भीतर ही बिलासपुर में वर्चस्व की लड़ाई छिड़ गई है। पिछले 25 साल से अमर अग्रवाल विधायक हैं। मगर इस समय पड़ोसी जिले के डिप्टी सीएम अरुण साव की नजर बिलासपुर पर है। वे ताकत दिखाने का कोई अवसर नहीं जाने दे रहे। उधर, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू भी बिलासपुर से ही सांसद हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर नेता प्रतिपक्ष और विधानसभा अध्यक्ष रह चुके धरमलाल कौशिक बिलासपुर से हैं तो कद्दावर नेता धर्मजीत सिंह भी बिलासपुर के रहवासी हैं। छोटे मियां सुशांत शुक्ला भी जलवा जलाल में कम नहीं। उधर पिछले कुछ दिनों में बिलासपुर में दबदबा कायम करने शह-मात के खेल की कई घटनाएं हुईं, उसका मैसेज अच्छा नहीं गया। लगता है इसीलिए, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिलासपुर को गोद जैसा लेने का फैसला किया। जाहिर है, शहरों के विकास की बात आई तो सीएम ने रायपुर से पहले बिलासपुर की मीटिंग ली। इस बार 26 जनवरी को उन्होंने झंडा भी बिलासपुर में ही फहराया। 23 साल बाद बिलासपुर में किसी मुख्यमंत्री ने गणतंत्र दिवस को झंडा फहराया। तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने आखिरी बार 26 जनवरी 2003 को वहां झंडारोहण किया था। इसके बाद डॉ0 रमन सिंह ने 15 साल और भूपेश बघेल ने पांच साल 26 जनवरी को जगदलपुर में झंडा फहराया। बहरहाल, CM का फोकस बढ़ा है तो हो सकता है बिलासपुर का पुराना वजन फिर लौटे। वैसे CM का पुराना संभागीय मुख्यालय बिलासपुर ही रहा है।

रिफार्म पर ब्रेक के पीछे

जमीनों के डायवर्सन के लिए लोगों को रिश्वत देने के बाद भी एसडीएम कार्यालय में काफी चप्पलें घिसनी पड़ती थी। सरकार ने इसकी तोड़ निकाला और आम आदमी को सहूलियत देने के लिए एसडीएम के जमीनों के डायवर्सन के अधिकार को समाप्त कर दिया। डायवर्सन को ऑनलाइन किया गया। कोई भी आदमी खुद ही ऑनलाइन एसडीएम के यहां अप्लाई करेगा और 15 दिन में अगर कोई एक्शन नहीं हुआ तो उसे स्वतः डायवर्टेड मान लिया जाएगा। 13 दिसंबर को नोटिफिकेशन राजपत्र में प्रकाशित भी हो गया। मगर इसके बाद राजस्व विभाग का अमला हरकत में आया। डिप्टी कलेक्टर्स और तहसीलदारों का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्री के यहां पहुंच गया। इसका नतीजा यह हुआ कि इस महत्वपूर्ण सुधार के क्रियान्वयन पर ब्रेक लग गया।

CSR का सीईओ

छत्तीसगढ़ के स्टेट कैपिटल रीजन के लिए सरकार ने सेटअप मंजूर कर दिया है। जल्द ही नियुक्यिं शुरू हो जाएंगी। सीएसआर में फर्स्ट पोस्टिंग सीईओ की होगी। सीईओ ही सीएसआर का हेड होगा। पता चला है, सिकेट्री लेवल के आईएएस को इस कुर्सी पर बिठाया जाएगा। अत्यधिक संभावना है कि आवास और पर्यावरण विभाग के सिकेट्री अंकित आनंद को सीईओ की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी जाए। जाहिर है, विभागीय सचिव के नाते सीएसआर का ड्राफ्ट और सेटअप तैयार करने में अंकित की भूमिका रही है।

नेता, समारोह और सोशल मीडिया

सालेक भर से शादी या जन्मदिन जैसी पार्टियों में नेताओं ने एक नया ट्रेंड शुरू किया है। मंत्री, पूर्व मंत्री या जनप्रतिनिधि आजकल पार्टियों में जा रहे तो वहां स्टेज की फोटो और फिर सोशल मीडिया में यह बताते हुए पोस्ट...फलां के यहां शादी या इस कार्यकम में शरीक होकर बधाई दिया। खैर, यह आईडिया बुरा नहीं है। टाईम निकाल नेताजी लोग ऐसे कार्यक्रमों में पहुंचते हैं, तो इसका कुछ आउटकम मिल जाए तो क्या दिक्कत?

प्यास लगने पर कुंआ खोदना

रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट लागू हो गया मगर इसके लिए अलग से राशि का प्रावधान नहीं किया गया है। इससे संसाधनों की बात तो दूर, बैठने के ठौर-ठिकानों को लेकर दिक्कतें जा रही। पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला उधारी के कार्यालय में बैठ रहे। पांच डीसीपी पोस्ट हुए हैं, उन्हें कहां बिठाया जाए, यह यक्ष प्रश्न है। पांचों एसपी लेवल के आईपीएस हैं। उन्हें सीएसपी ऑफिस में तो नहीं बिठाया जा सकता। डीसीपी सेंट्रल उमेश गुप्ता को सिविल लाइन थाने के पास ठीकठाक ऑफिस मिल गया है। मगर डीसीपी वेस्ट संदीप पटेल को आमानाका थाने के छत पर बैठना पड़ रहा है। वहीं, डीसीपी नार्थ मयंक गुर्जर के लिए जगह का जुगाड़ नहीं बैठ पा रहा। बाकी एडिशनल डीसीपी और एसीपी को कौन पूछे? सिस्टम को कायदे से पुलिस कमिश्नर के लिए बजट का इंतजाम रखना था। क्योंकि, पुलिस कमिश्नरेट कोई ओवरनाइट नहीं बना है। करीब डेढ़ साल पहले इसकी घोषणा हुई थी। राज्योत्सव के मौके पर ही इसका उद्घाटन किया जाना था, जो किसी कारणों से नहीं हो पाया। 31 दिसंबर को कैबिनेट की बैठक में डेट का भी ऐलान कर दिया गया था। कमिश्नरेट की तैयारी के लिए 23 दिन कम नहीं होते। मगर सिस्टम ने कुछ नहीं किया। अब प्यास लगने पर कुंआ खोदने जैसा काम किया जा रहा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या ये सही है कि पुलिस कमिश्नरेट बनने से अफसरशाही इतनी दुखी हुई कि उद्घाटन के मौके पर कोई जलसा या कार्यक्रम नहीं किया गया?
2. अफसरों की अनुशासनहीनता पर भी सिस्टम सौम्य क्यों बना हुआ है?

एक्सीडेंट में बाइक चालक की मौत

महासमुंद। मुढ़ीपार क्रासिंग एनएच 53 के पास एक वाहन की टक्कर से बाइक चालक की मौत हो गई। मामले को लेकर पिथौरा थाने में आरोपी वाहन चालक के विरूद्ध जुर्म दर्ज किया गया है। 30 जनवरी की सुबह छिबर्रा निवासी रोहित पटेल अपनी मोटर सायकल से सुबह करीबन 10 बजे बैंक के काम व गैस सिलेंडर लेने पिथौरा गये थे। वापस आते समय करीब 12.25 बजे ग्राम मुढीपार क्रासिंग एनएच 53 रोड के पास पिथौरा से झलप की ओर जा रही वाहन क्रमांक ओडी 15 एडी 0205 के चालक द्वारा अपने वाहन को तेज एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर रोहित पटेल की मोटर सायकल को पीछे से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया।

नौकरी के नाम पर 10 लाख रुपए की ठगी, फार्मासिस्ट गिरफ्तार

जगदलपुर। स्वयं को व्यापम का बड़ा अधिकारी बताकर बेरोजगारों को झांसे में लेकर लाखों रूपए की ठगी करने वाले फार्मासिस्ट को बोधघाट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेजा गया। 29 जनवरी को बोधघाट थाना में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए प्रार्थी अनंतराम कश्यप निवासी कुम्हारपारा जगदलपुर ने बताया कि ग्राम बड़ेकनेरा जिला कोंडागांव में फार्मासिस्ट के पद पर पदस्थ प्रमोद सिंह भार्गव पिता हिन्दलाल भार्गव ने आवेदक को अपने जीजा को व्यापम का अधिकारी बता कर प्रार्थी की बेटी एवं भांजी को आश्रम अधीक्षक के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर दस लाख रूपए की ठगी किया है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड
अतिशीघ्र आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड वेतन 13000/- सुपरवाइजर वेतन 15000/- फील्ड अधिकारी वेतन 15000/- आवास मुफ्त, योग्यतानुसार वेतन संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

पेट्रोल पंप कर्मी
आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु युवक/ युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति अपने बायोडाटा सहित सम्पर्क करे- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर, मो. 8109135400. (RO-326)

ड्रायवर
आवश्यकता है- गायत्री नगर, रायपुर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की। 10वी पास जरूरी। आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। संपर्क करें- 8349933320, सायं: 6 से 8 बजे तक। (RO-287)

मार्केटिंग
आवश्यकता है- पोल्ट्री मेडिसिन की मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है। योग्यता- ग्रेजुएशन एंड्राइड मोबाइल एवं टू व्हीलर अनिवार्य सम्पर्क करें मोबाइल नंबर:- 9300294432, 8085585019. (RO-506)

मशीन ऑपरेटर
आवश्यकता है- लेथ मशीन ऑपरेटर की जरूरत है बाराडेरा धनसुली, मंदिर हसौद, रायपुर संपर्क करें मोबाइल नंबर:- 7024347173. (RO-502)

हरिभूमि क्लासीफाईड

गोडाऊन कार्य
आवश्यकता है- एयर कूलर गोडाउन में कार्य करने हेतु मेहनती एवं अनुभवी (उम्र 20 से 30) लड़कों की आवश्यकता है। (शंकर नगर, मोवा, कमल विहार के आस पास रहने वाले को प्राथमिकता) संपर्क - ए लीला इलेक्ट्रॉनिक्स, एम जी रोड सिंध साइकिल के सामने, शारदा चौक के पास रायपुर। मोबाइल - 7000808093. (RO-471)

अकाउंटेंट
आवश्यकता है- बर्जर पेंट शॉप में (M/F) टेली अकाउंटेंट की, अनुभवी को प्राथमिकता, समय सुबह 10 से 2, शाम 4 से 8 बजे। संपर्क - अमृत सेल्स, स्टेशन रोड, रायपुर। मोबाइल 9827174205. (Ro- 472)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान में काम करने के लिए लड़कों और लड़कियों की जरूरत है। जरूरतमंद ही संपर्क करें। भाव्य ट्रेडर्स नवभारत प्रेस के सामने शहीद स्मारक कॉम्प्लेक्स रायपुर मो. 8818833330. (RO-24)

सेल्सगर्ल/ऑपरेटर
आवश्यकता है- कांती ज्वेलर्स कोहका में कार्य करने हेतु 1 सेल्स गर्ल एवं 1 कम्प्यूटर ऑपरेटर कम टेलीकॉलर स्टाफ की शीघ्र जरूरत है संपर्क करें:-मो.-9691422333, 7879858811. (आरो न.- 4135)

गार्ड/सुपरवाइजर
आवश्यकता है- रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीरचांपा, कोरबा, रायगढ़ हेतु वेल्डर, कटरफिटर, गार्ड, इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर, कम्पयूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, चपरासी स्टोरकीपर, सुपरवाईजर 5वीं-ग्रेजुएट वेतन 11000 से 30000 रहना फ्री नया पता- बस स्टैण्ड बिलासपुर 7898973405. (RO-39659)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सेल्समैन/हेल्पर
आवश्यकता है- पंडरी में कपडे की होलसेल शॉप काम करने के लिए सेल्समेन और हेल्पर की आवश्यकता। कृपया अनुभवी ही संपर्क करे। शादीशुदा को प्राथमिकता। 9981105000, 9300296798. (RO-149)

कार वाशिंग/मिस्त्री
आवश्यकता है- DS कार वाशिंग हेतु लड़को एवं लड़कियों की आवश्यकता है एवं मैकेनिकल कार्य हेतु मिस्त्री/हेल्पर की आवश्यकता है। वेतन - 6000 से 15000/- रुपये संपर्क करें- कोटा रायपुर मो. 8962223078. (RO-A)

फील्ड/ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में फील्ड व ऑफिस कार्य हेतु युवक- युवतियों की आवश्यकता। 9752070689, 0788-3591893 तालपुरी, भिलाई। 10:30am -6pm (आरो न.- 216)

ऑफिस कार्य
शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। आयु 18से 30 बर्ष वेतन 9000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करें- 8085189675, 8962000161. (Ro- 528)

होटलकर्मी
आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर, रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर, कप्तान जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी, होटल शिव-प्रभा, पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590. (आरो न.-215)

हरिभूमि क्लासीफाईड

घरेलु कार्य
आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर के काम हेतु महीला की आवश्यकता, काम का समय सुबह 7 से 12 और शाम को 3 से 6 तक, वेतन 8000/- संपर्क 9300201654, 8120289207, 07714907983. (Ro-6656)

क्लीनिक कार्य
आवश्यकता है- डेन्टल क्लीनिक में कार्य हेतु युवक/ युवतियो की आवश्यकता है। लोकल को प्राथमिकता। संपर्क:- सीता मेमोरियल डेंटल क्लिनिक, कृष्णा एडलैब्स के सामने, समता कॉलोनी, रायपुर, 9993249054. (RO-301)

सेल्समैन/सेल्समैन
आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के-लड़कियां एवं सेल्समैन-सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन 10000/- से 15000/- तक +कमीशन संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल:- 9329103178. (RO-501)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए सेल्स गर्ल एवं सेल्समैन की आवश्यकता है। न्यूनतम योग्यता 10वीं पास कृपया संपर्क करें :- 10.30am to 01.30pm नाहर मेडिकल स्टोर्स सिविक सेंटर, भिलाई mo.-7974215694. (आरो न.-217)

दुकान कार्य
आवश्यकता है- प्लास्टिक के थोक दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार संपर्क समय 12 से 6 प्रकाश मार्केटिंग डॉक्टर मटरेजा गली नयापारा रायपुर 9826113735. (RO-148)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

टीचर/आयामदर
आवश्यकता है- स्कूल स्टाफ चाहिए सेवार्थ संचालित हिंदी मध्यम गौकर्ण स्कूल (सेज बहार- धुसेरा रायपुर) में प्लेग्रुप, प्रायमरी मिडिल हेतु (फुल/ पार्ट टाइम) अनुभवी टीचर व गृहकार्य दक्ष आयामदर व मजदूर जो अनुभवी शाकाहारी संस्कारी ग्रहस्थ हो, ग्रामीण व एकल आवेदकों को प्राथमिकता स्वीकृति पश्चात ही साक्षात्कार में आये संपर्क- 9977604440 (सुबह 8:00 से 9:00तक) (RO-6652)

अकाउंटेंट/सेल्समैन
आवश्यकता है- चायपत्ती के ऑफिस में अकाउंटेंट की एवं सेल्समैन व ड्राइवर की आवश्यकता है संपर्क करें- जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अमलीडीह- 9753674707, 0771-4075490. (RO-6548)

ऑफिस कार्य/ऑपरेटर
आवश्यकता है- (1) महिला- PA, ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) (2) आफिस साफ सफाई चाय पानी (3) पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग व सर्विस इंजीनियर (4) ऑर्थोपेडिक एवं TKR THR Joints की सर्जरी कराने (5) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु (6) ईको चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 13000 से 30000 पता- पिनाका मेडिकल सिस्टम, Sec-11A, कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829. (RO-1876)

सुरक्षागार्ड/ ऑपरेटर
आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस, सांई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291. (RO-39669)

क्लासीफाईड

RAIPUR Smart BUSINESS
GST रजिस्ट्रेशन नंबर बनवाएं मात्र 500/- में
2 साल पुरानी ITR फाईल बनवाएं मात्र 2000/- में
CMA DATA | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | FOOD लाइसेंस
UDYAM-MSME | TDS रिफंड | Whatsapp पर बनवाएं
C-74 Sector 1, Devendra Nagar, Near Jubesta Hospital, Beside Adarsh School, Pandri, Raipur
संपर्क : शेखर गुप्ता
9300755544, 8878655544

अन्य
आवश्यकता है- मान्यता प्राप्त कंपनी में कार्य हेतु, 25 वर्ष 12वीं पास, ग्रेजुएट युवक-युवती, गृहिणी एवं रिटायर्ड पर्सन की जरूरत है सैलरी 10000/- से 75000/- संपर्क करें:- 8319353532. (RO-503)

Finance फायनेंस
फाइनेंस - विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि, महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्क:- 7587708423. (RO-505)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

वैवाहिकी
वधु चाहिए
ब्राह्मण सरयूपारी 47 वर्षीय 5'.7" एजुकेशन b.com मुबंई निवासी हेतु सुंदर सुशील युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

हमारा अशियाना
META PROPERTIES

3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

इसे जरूर पढ़िये और समझिये
इसे नजर अंदाज कर क्षणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए क्योंकि यह जिद्दी व लाईलाज बीमारी है यह दवा से दबकर बार-बार फिर उभरता है। क्योंकि इसका जड़ चमड़ी में नहीं कहीं और है। क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग है सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रुसी, जोड़ों में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना नाखुनों का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग है। क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान है जैसे: शीघपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि। ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीम आपको भ्रम में डालकर पागल बनाकर ही छोड़ेंगे सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल
बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
(फार्म सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659, 93039-48500
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

'एनसीपी के फैसले मुंबई में हो रहे हैं, मुझसे नहीं ली सलाह'

एजेंसी ▶▶| बारामती

एनसीपी नेता व अजित पवार के निधन के 3 दिन बाद शरद पवार ने सुनेत्रा पवार के डिप्टी सीएम बनने और एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर चुप्पी तोड़ी है। सीनियर पवार ने कहा कि फैमिली में सब ठीक है, मगर पार्टी से जुड़े फैसले मुंबई में किए जा रहे हैं। उन्हें सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री बनने को लेकर उनसे किसी ने सलाह नहीं ली। उन्होंने कहा कि पार्टी के विलय पर बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी। अजित की इच्छा भी यही थी कि दोनों पार्टियां एक हो जाएं। अब वह उनकी इस इच्छा को पूरा करना चाहते हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि क्या विलय के बाद एनसीपी एनडीए का हिस्सा रहेगी तो उन्होंने कहा कि यह सब आपकी तरफ मीडिया में चल रहा है, ऐसा कुछ नहीं है। बता दें, शनिवार को सुनेत्रा पवार ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पद की शपथ ले ली है। सीनियर पवार शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए हैं।

सुनेत्रा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए हैं सीनियर पवार

दावा- 12 फरवरी को होना था विलय का ऐलान

शरद पवार ने सियासी घटनाक्रम पर तोड़ी चुप्पी, पार्टी के विलय पर भी रखी बात

अजित पवार के निधन के बाद महाराष्ट्र की सियासत में मची है उथल-पुथल

ऐसे हुई दोनों गुटों के विलय

अजित के प्लेन क्रैश में निधन के बाद पहली बार शरद पवार मीडिया से रूबरू हुए। शरद पवार ने कहा कि अजित, शशिकांत शिंदे और जयंत पाटिल ने दोनों गुटों के मर्जर के बारे में बातचीत शुरू की थी। एनसीपी के विलय की तारीख भी तय हो गई थी। यह 12 फरवरी को होना था। दुर्भाग्य से अजित उससे पहले ही हमें छोड़कर चले गए। उनसे पूछा गया कि क्या सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री बनने के बारे में कोई राय ली गई थी? सीनियर पवार ने कहा कि जब कोई बड़ा मुद्दा आता है तो परिवार एकजुट रहता है। अभी फैमिली में कोई मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी राजनीतिक और सांगठनिक फैसले मुंबई में हो रहे हैं। अभी जो दिख रहा है, उससे लगता है कि प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और अन्य वरिष्ठ नेता फैसले ले रहे हैं, जिस पर वह कमेंट नहीं करना चाहते हैं।

नई पीढ़ी बढ़ाएगी विरासत आगे

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शरद पवार ने भतीजे अजित पवार को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि अजित पवार एक सक्षम और प्रतिबद्ध नेता थे, जो वास्तव में लोगों के लिए काम करते थे। वे सार्वजनिक मुद्दों को अच्छी तरह समझते थे और हमेशा न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करते थे। पवार ने कहा कि बारामती के लोगों ने हमेशा अजित पवार का साथ दिया और वह भी जिम्मेदारियों के मामले में कभी पीछे नहीं हटे। उनके निधन ने हम सभी को गहरा सदमा पहुंचाया है।

मीटिंग का वीडियो भी आया सामने

सूत्रों के मुताबिक अजित ने 17 जनवरी को बारामती में शरद पवार से मुलाकात की थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि विलय पर चर्चा हुई थी। इस मीटिंग का वीडियो भी सामने आया है। इस मुलाकात के 11 दिन बाद अजित की प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी।

जैकेट के शेष

जिला शिक्षा अग्निकांड....

कार्यालय में आगजनी से निपटने पुख्ता इंतजाम ना होने की बात भी कही है। डीपीआई द्वारा गठित इस तीन सदस्यीय समिति की अध्यक्षता रायपुर संभागीय संयुक्त संचालक संजीव श्रीवास्तव कर रहे थे। टीम में डीपीआई के सहायक संचालक बजरंग प्रजापति और सतीश नायर भी थे।

युवा, किसान और ....

2013-14 में 21,933 करोड़ रुपये से बढ़कर अब 1.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। बोनेंजा के रिसर्च एनालिस्ट अभिनव तिवारी के मुताबिक, जलवायु परिवर्तनशीलता, इनपुट लागत और बाजार पहुंच जैसी चुनौतियों के बीच केंद्रीय बजट 2026-27 में कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद है। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का लगभग 18-20% योगदान है, सरकार लक्षित आवंटन और सुधारों के जरिए उत्पादकता, टिकाऊपन और किसान आय बढ़ाना चाहती है।

ऐसी उम्मीद है कि बजट के बाद सोना-चांदी खरीदना सस्ता हो सकता है। सरकार इस पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी को 6% से घटाकर 4% कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो सोना प्रति 10 ग्राम करीब 3 हजार और चांदी 6 हजार रुपए सस्ती हो सकती है। 2025 में सोना 75% और चांदी 167% बढ़ी है। अभी यानी जनवरी 2026 में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.50 लाख और एक किलो चांदी 3.50 लाख रुपए में मिल रही है। बता दें, बीते 15 सालों के आंकड़ों को अगर देखें तो बजट के दिन अच्छा नहीं रहता है। हालांकि, उसके बाद के हफ्ते में तेजी देखने को मिलती है। पुराने आंकड़े बताते हैं कि प्री बजट सप्ताह में निफ्टी औसतन रूप से 0.52 प्रतिशत नीचे आ जाता है। वहीं, बजट के दिन निफ्टी बैंक में औसतन तेजी ही देखने को मिलती है। यूनियन बजट 2026 के दिन स्टॉक मार्केट खुला रहेगा। रविवार होने के बावजूद भी स्टॉक मार्केट में सामान्य दिनों की तरह कारोबार होगा। स्टॉक एक्सचेंज ने 1 फरवरी को मार्केट ओपनिंग की जानकारी दी है। आजाद भारत के इतिहास में यह दूसरा मौका होगा जब रविवार के दिन शेयर बाजार में सामान्य दिनों की तरह कारोबार होगा। इससे पहले 28 फरवरी 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में रविवार के दिन घरेलू शेयर बाजार खुला था। बता दें, स्टॉक मार्केट के प्री सेशन की ओपनिंग 9 बजे से शुरू होगा। वहीं, सामान्य बाजार 9:15 से 3:30 बजे तक खुला रहेगा।

नौकरी लगाने का ....

की जानकारी के बाद से फरार हैं। उनके बारे में पतासाजी की जा रही है। पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए अलग-अलग टीम बनाई है। जगह-जगह दबिश दी जा रही है। पुलिस के पास पीड़िता अपनी मां के साथ 30 जनवरी को पहुंची थी, जहां महिला पुलिस थाने में घटना की जानकारी लिखित में दी गई। आरोपियों को पीड़िता नाबालिग होने की जानकारी लगने के बाद भी उसके साथ अनाचार किया। पीड़िता को धमकी देकर लगातार आरोपियों ने आठ साल से अनाचार करते रहे।

इस दौरान पीड़िता मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित रही। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच अत्यंत संवेदनशीलता के साथ विधि अनुसार की जा रही है। पीड़िता को न्याय मिल सके और दोषियों को सख्त कार्रवाई हो पाए। मामले में विवेचना के दौरान आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। मामले में सांसद विजय बघेल के निज सहायक का नाम घटना में सामने आने की चर्चा है। इसे लेकर सांसद विजय बघेल ने कहा कि आरोपी मेरा निज सहायक नहीं है, मेरे सिर्फ दो सहायक हैं, एक दिल्ली और दूसरा जिले में है।

सुनेत्रा बनीं डिप्टी ....

होने के साथ इन चारों मंत्रालयों का प्रभार संभाल रहे थे। राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे चुकीं सुनेत्रा को यहां लोक भवन में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले दिन में, उन्हें औपचारिक रूप से राकांपा विधायक दल का नेता चुना गया। भाजपा, एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार नीत राकांपा के घटक वाली 'महायुति' सरकार में अजित पवार उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री थे। उनकी 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई। सुनेत्रा पवार जब शपथ लेने के लिए उठीं तो 'अजित दादा अमर रहें' जैसे नारे लगाए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और छगन भुजबल सहित अन्य लोग समारोह में उपस्थित थे। सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार और उनकी पत्नी भी शपथग्रहण समारोह में मौजूद थीं। सुनेत्रा राज्य विधानमंडल के किसी भी सदन की सदस्य नहीं हैं। उनके बारामती विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की संभावना है जो उनके पति अजित पवार के निधन से खाली हुई है। राजनीतिक परिवार से संबंध रखने वाली और चर्चाओं से दूर रहने वाली सुनेत्रा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने चुनावी करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने पवार परिवार के गृह क्षेत्र बारामती में अपनी ननद और मौजूदा राकांपा (शप) की सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ चुनाव लड़ा था। सुले से हारने के बाद, वह राज्यसभा के लिए चुनी गईं।

पीएम मोदी ने दी बधाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनेत्रा पवार को उपमुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल शुरू करने वाली सुनेत्रा पवार को हार्दिक शुभकामनाएं। वह इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह राज्य की जनता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजित दादा पवार के सपनों को साकार करेंगी।

कांकेर से राजनांदगांव ....

करीबी है। आरक्षक द्वारा पिछले एक सप्ताह से राजनांदगांव जिले में आकर अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों से मुलाकात की जा रही थी। सूत्रों के अनुसार बैठक के दौरान अवैध कारोबार को लेकर प्लान पर चर्चा हुई है। इस बैठक की सूचना प्रदेश के खुफिया तंत्र को मिली थी, जिसके बाद एक्शन लेते हुए प्रधान आरक्षक को सस्पेंड करने की कार्रवाई की गई है। इसके अलावा राजनांदगांव पुलिस महकमा को भी स्पष्ट कर दिया गया है की ऐसे आरक्षकों से दूर रहा जाए, यदि भविष्य में उक्त प्रधान आरक्षक द्वारा हस्तक्षेप किया जाता है तो उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

पेज एक के शेष

हम नहीं सुधरेंगे... कारोबारी ..

कारोबारी से वैध पेपर की मांग की, तो कारोबारी पुलिस के सामने किसी तरह से वैध पेपर पेश नहीं कर पाया और पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की।

तीन दिन पूर्व पुलिस कमिश्नर ...

इस्तेमाल समान की खरीदी-बिक्री करता था। इन प्रतिबंधित समान के कारोबारी पर तय कीमत से कई गुना ज्यादा मुनाफा लेकर खरीदी-बिक्री करने का आरोप है।

सिगरेट, तंबाकू और पान ...

उपकर का स्थान लेंगे। इसके अलावा, एक फरवरी से तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा युक्त सुगंधित तंबाकू और गुटखा) के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) आधारित मूल्यांकन की नई व्यवस्था शुरू होगी। इसके तहत जीएसटी का निर्धारण पैकेट पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य के आधार पर किया जाएगा।

पीएम मोदी की इजरायल यात्रा सच..

की तरफ से एपस्टीन फाइल्स की नई खेप जारी की गई है। इसमें एपस्टीन केस से जुड़े 30 लाख पन्नों के दस्तावेज हैं। इसके अलावा 2,000 से ज्यादा वीडियो और एक लाख 80 हजार तस्वीरें जारी हुई हैं। जारी किए गए दस्तावेजों में कोर्ट रिकॉर्ड, जांच रिपोर्ट और फ्लाइट लॉग शामिल हैं।

पाकिस्तानी पीएम बोले- कर्ज मांगने में अब शर्म आती है

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज ने विदेशी कर्ज पर देश की बढ़ती निर्भरता को लेकर नाराजगी जताई है। शहबाज ने माना कि देश की बदहाल आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें बारबार विदेशी दौरों पर जाकर कर्ज मांगना पड़ा। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री राजधानी इस्लामाबाद में कारोबारी नेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि जब फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और मैं दुनियाभर में पैसे मांगने जाते हैं तो हमें शर्म आती है।' शहबाज ने कहा- कर्ज लेना हमारे आत्मसम्मान पर बहुत बड़ा बोझ है। कई बार हमें कॉम्प्रोमाइज करना पड़ता है। कई बार हम उनकी शर्तों को 'ना' भी नहीं कह पाते।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भंडार प्रबंधन विभाग

ई–टेंडर नोटिस नं. एन.आई.टी/14/26/04, तिथि :– 27–जनवरी–2026

क्र. सं.	निविदा सं.	विवरण	निविदा बंद/खुलने की तिथि	मात्रा
1	03263204	एयर स्प्रिंग असेम्बली	12.02.2026	34 नग
2	02264218	रोट ऑफ डियाफ्रागम एंड ओ–रिंग फॉर प्रेशर गवर्नर	12.02.2026	246 सेट
3	03251368	असेम्बली ऑफ बियरिंग पीस वाशर्स, सेफ्टी स्ट्रैप एंड पिन फॉर अनकपलिंग गेयर अरेंजमेंट	17.02.2026	37803 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समय : At 10:30 बजे।

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है। शुद्धिपत्र और ई–खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सीपीआर/10/652

सहायक सामग्री प्रबंधक–I,
कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पंचायत, छुईखदान, जिला- खैरागढ़ छुईखदान- गंडई (छ.ग.)

क्रमांक/704/ई-टेण्डर/न.पं./लो.नि.वि./2025-26 छुईखदान, दिनांक 30/01/2026

//ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना//

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रं.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	Bid Due Date
1	2	3	4	5
1	184621	वार्ड क्रमांक 15 में पानी टंकी निर्माण कार्य।	50.00	19.02.2026
2	184619	वार्ड क्रमांक 01 पशु चिकित्सालय के ऊपर शॉपिंग कॉम्पलेक्स प्रथम-तल निर्माण कार्य।	10.10	
3	184618	वार्ड क्रमांक 01 में शासकीय कन्या शाला के पास शॉपिंग कॉम्पलेक्स के ऊपर प्रथम-तल शॉपिंग कॉम्पलेक्स निर्माण कार्य।	17.46	
4	184617	नगर पंचायत छुईखदान क्षेत्र अन्तर्गत विभिन्न वार्डो में पाईप लाईन विस्तार कार्य।	19.62	20.02.2026

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://uad.cg.gov.in/ से भी डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग के वेबसाइट एवं कार्यालय सूचना पटल पर प्रसारित की जावेगी पृथक से सामाचार पत्र में प्रकाशित नही होगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुईखदान

:: आम सूचना ::

(ग्राम पी जामगांव पटवारी हल्का नंबर 10 तहसील गोबरा नवापारा)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा अश्रुपूर्णा दीवान पत्नी श्री आर.के. दीवान ग्राम व पोस्ट जामगांव अभनपुर तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर के स्वामित्व की भूमि खसरा क्रमांक 576/16 व 576/17 रकबा 0.12, 0.13 हेक्टेयर भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर इकारानामा निष्पादित कर लिया गया है। उक्त भूमि का बैनामा पंजीयन मात्र शेष है। तत्संबंध में इस संव्यवहार से किसी व्यक्ति, सार्वजनिक/निजी बैंक/ सहकारी बैंक या किसी न्यास और संस्थाओं को कोई आपत्ति हो तो विहित समयावधि 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में लिखित में अपनी आपत्ति मय दस्तावेज के प्रस्तुत कर देवें यदि समयावधि के पश्चात कोई आपत्ति या उजर दावा किया जाता है तो वह मान्य नहीं होगा।

उपरोक्त अवधि व्यतीत हो जाने के बाद मेरा पक्षकार उक्त करारशुदा भूमि को अपने पक्ष में बैनामा निष्पादित करने के लिए अग्रसर होगा एवं निश्चित समय अवधि में पंजीयन कर लेवेगा। तत्पश्चात मेरे पक्षकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सो सूचना जानें।

रायपुर, छत्तीसगढ़।
दिनांकः 01/02/2026

सूचनाकर्ता
प्रखर दत्त (एडवोकेट)
पताः दीनदयाल उपाध्याय नगर, डंगनिया, रायपुर (छ.ग.) मो.नं.-9981154008

AXIS BANK

महत्वपूर्ण घोषणा

हम स्थानांतरित होंगे

गुढ़ियारी में स्थित एक्सिस बैंक की शाखा
१३ अप्रैल, २०२६ को
नए स्थान पर स्थानांतरित हो जाएगी

वर्त्तमान पता

एक्सिस बैंक लिमिटेड, गुढ़ियारी शाखा,
प्लॉट नंबर २९, २३/१, गुढ़ियारी स्टेशन रोड, सुकवारी बाजार,
गुढ़ियारी, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ - ४९२००९

नया पता

एक्सिस बैंक लिमिटेड, गुढ़ियारी शाखा,
ग्राउंड फ्लोर, गुलगुलिया निवास, गुढ़ियारी - श्रीनगर रोड, दही हांडी मैदान के सामने,
पीओ+पीएस: गुढ़ियारी, जिला: रायपुर, छत्तीसगढ़ - ४९२००९

हम आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं

Forest, Environment & Climate Change Department
Govt. of Jharkhand
Office of the Deputy Director, Palamu Tiger Project, North Division, Medininagar
Office address: Medininagar, District- Palamu, Jharkhand- 822101

NOTICE INVITING TENDER

RFP No.: 01/2025-26

Notice inviting Request for Proposal (RFP) from competent and experienced persons/ firms/ organizations for providing Architectural Consultancy Services only for the construction of "Tiger Safari & Ancillary Work" at Putuagarh, near Barwadih, North Division, Palamau Tiger Project, Jharkhand, through Quality & Cost Based Selection (QCBS) method.

Name of the work	Earnest money deposit (Rs).	Bid processing fee	Period of completion
Architectural consultancy services for Preparing Master Plan of 'Tiger Safari & Ancillary' at Putuagarh, North Division, Palamau Tiger Reserve, Jharkhand	Rs. 50,000/- (Rs Fifty thousand only)	Rs. 5,000/- (Rs Five Thousand only)	12 months (Twelve months)

(i)	Sale of Bid Document Start Date	:	From: 31/01/2026,11:00 hrs
(ii)	Sale of Bid Document End Date	:	Up to: 02/03/2026, 17:00 hrs
(iii)	Offline submission of technical proposal and financial proposal ends on	:	Up to: 02/03/2026,17:00 hrs
(iv)	Opening of tender offline (Technical proposal only)	:	On 06/03/2026 at 12:00 hrs
(v)	Date of opening of financial proposal	:	After the result of Technical Bid

Note:
- Tender document including terms & conditions can be downloaded from https://forest.jharkhand.gov.in/ & https://www.palamautigerreserve.in/
- The bid will be received at the office of undersigned during office hour.
- For any query/clarifications, please contact – dfocorearea@gmail.com

PR 372081 Forest, Environment and Climate Changes(25-26).D

Deputy Director,
Palamu Tiger Project, North Division,
Medininagar, Jharkhand.

राशिफल

मेष किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6125

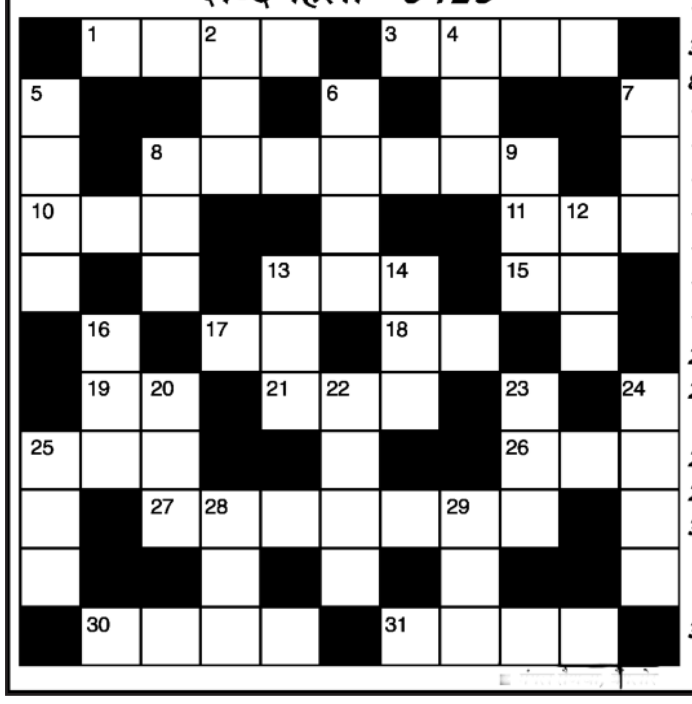

बाएँ से दाए

1. मरघट, कब्रिस्तान-4
3. पागल, बुद्धिहीन-4
8. भगवान, ईश्वर, खुदा-7
10. डांटना, दुत्कार-3
11. तरुण, किशोर-3
13. ओट, घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया, अजनबी-2
18. आनंद, मौज-2
19. सूर्य, भास्कर-2
21. चिंतन, सोच विचार-3
25. वेणी, फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष, आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि, गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर, भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्जन, पापी, भूत-3
8. शरण, आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट, प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना, अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी, दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली- 6124 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क
ह	जा		श		श	बु	ता		न्या य
गु			ही	र	क		र		म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु ज
र		च		बे	ल	गा	म		की
	शा	न		क		ज		ब	ला
	य		श	रा	र	ल		न्द	त
म	द	द		र			अ	र	मा न
श			स		शा	य	र		ब
क	म		न	र	म		मा		मा द
	जा	न	म			म	न	मो	ह न

सूडोकु नवताल - 6135

कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6134 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

दुनिया की भीड़ में क्यों बढ़ रहा है अकेलापन

देश-दुनिया की आबादी भले ही दिनों-दिन बढ़ रही हो, लेकिन इसके उलट लोगों का अकेलापन भी बढ़ रहा है। अकेलेपन की समस्या विश्वव्यापी है। भारत समेत अनेक देशों के लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। अकेलेपन का हमारे स्वास्थ्य ही नहीं पूरे जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि इसके कारणों को जाना जाए और इसे दूर करने का हर संभव प्रयास किया जाए।

कवर स्टोरी
एस. भाग्यम शर्मा

यह सही है कि दुनिया में आठ अरब से अधिक और हमारे अपने देश में 140 करोड़ से अधिक लोग रहते हैं। लेकिन दुख की घड़ी में शायद ही एक कंधा ऐसा मिले, जिस पर सिर रखकर हम रो सकें। सोशल मीडिया पर भले ही हमारे हजारों दोस्त होंगे, फॉलोअर्स होंगे, लेकिन असल जिंदगी में एक भी हमारे साथ नहीं होता। यानी आज लोगों की भीड़ में भी हर कोई खुद को अकेला महसूस कर रहा है।

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक

अगर कोई शारीरिक बीमारी हो तो इसका असर दूसरों को नजर आता है। अकेलेपन का दुष्प्रभाव धूम्रपान और मोटापे की तरह शरीर पर नजर नहीं आता है। दरअसल, अकेलापन हमारे मन को बीमार बना देता है। अकेलापन एक दिन में 15 सिगरेट पीने से भी ज्यादा खतरनाक असर हमारे स्वास्थ्य पर डालता है।

अकेलापन समय से पहले मृत्यु के खतरे को 25% तक बढ़ा देता है। अकेलेपन से ब्रेन स्ट्रोक और हृदय रोग का खतरा 30% तक बढ़ता है। यह डिमेंशिया के खतरे को 50% तक बढ़ा देता है, इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि समय रहते अकेलेपन की इस बीमारी को पहचान लें और यह जानें कि कहीं आप भी अकेलेपन के अंधेरे में खोते तो नहीं जा रहे हैं।

दुनिया भर में लोग हैं परेशान

वर्ष 2023 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अकेलेपन को एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट घोषित किया था। अकेलेपन को परिभाषित करते हुए डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि अकेलापन व्यक्ति की अपनी भावनात्मक पीड़ा है, जो सामाजिक अलगाव और सार्थक रिश्तों की कमी से पैदा होती है। आज के दौर में अकेलापन दुनिया भर में एक गंभीर बीमारी का रूप ले चुका है। जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों में कई लोग इस कदर अकेले हो चुके हैं कि अगर उनकी मृत्यु भी हो जाए तो कई-कई दिनों तक बाहरी दुनिया को उनकी मौत के बारे में पता ही नहीं चलता।

वहां से आई खबरों के अनुसार पिछले साल जापान में करीब 76,000 लोगों की उनके घर में अकेले रहते हुए मौत हुई। 4,000 लोग ऐसे थे, जिनके मरने के करीब एक महीने के बाद बाहर के लोगों को उनकी डेड बॉडीज मिलीं। जापान में तो अकेलेपन को दूर करने के लिए ज्यादा उम्र के लोग कई बार जान-बूझकर अपराध करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं, जिससे उन्हें सजा मिले और सजा के बाद वे जेल में दूसरे लोगों से मिलकर कुछ बातचीत कर सकें, उनका अकेलापन दूर हो, उनका मन लग सके।

बढ़ रहे हैं एकल परिवार

भारत में भी अकेलापन तेजी से फैल रहा है। इसकी मुख्य वजह है भारतीय समाज में टूटते संयुक्त परिवार। पहले के दौर में हमारे घर-परिवार में साथ रहने वाले अपने माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी के साथ हम अपना सुख-दुख शेयर कर लिया करते थे। लेकिन अब वह दौर नहीं रहा। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है, जहां परिवार में पति-पत्नी ही रहते हैं। कई कपल तो बच्चे तक पैदा नहीं करना चाहते। बच्चे इसलिए नहीं पैदा करना चाहते, क्योंकि वे जानते हैं कि अगर बच्चे हुए तो उनकी देखभाल करने वाला परिवार में कोई नहीं है। महानगरों में 'ड्यूल इनकम-नो किड्स' का चलन बढ़ रहा है।

बढ़ती सामाजिक दूरी भी है वजह

पिछली सदी तक हम सब अनजान लोगों से भी बातचीत कर लिया करते थे। कोई रास्ता पूछता था तो बड़े मन से उसे रास्ता बताते, कई बार तो उन्हें उनके गंतव्य तक छोड़ कर आ जाते थे। बाजार जाते तो किराने की दुकान या सब्जी की दुकान पर दुकानदार से बातचीत कर लिया करते थे। अड़ोसी-पड़ोसी से उनका हाल-चाल पूछ लिया करते थे। चाय की दुकानों पर जाने-अंजाने लोग भी खूब बतियाते थे। लेकिन अब ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड से लोगों का बाजार आना-जाना भी बहुत कम हो गया है। सब इतने व्यस्त हो गए हैं कि किसी के पास समय ही नहीं रह गया है, एक-दूसरे की खबर लेने का।

बच्चे-युवा भी हो रहे प्रभावित

2021 के ग्लोबल सर्वे के मुताबिक, अकेलेपन से प्रभावित होने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश भारत है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शहरों में 43% लोग अकेलापन महसूस करते हैं। चिंताजनक बात यह है कि 13 से 15 साल की उम्र के 25 % बच्चे भी अकेलापन अनुभव कर रहे हैं। सोशल मीडिया की वजह से भी अकेलापन तेजी से बढ़ रहा है। कई स्टडीज में सामने आया है कि सोशल मीडिया की लत, युवाओं में अलगाव, अकेलापन और डिप्रेशन को बढ़ा रही है।

मशीनी हो रही भावनाएं

अकेलापन इसलिए भी बढ़ रहा है कि लोग एक-दूसरे के साथ अपनी भावनाएं साझा नहीं करते हैं। सोशल मीडिया में कोई इमोजी भेजकर खुद को दायित्वमुक्त समझ लेते हैं। आजकल लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किसी की आंखों में आंख डालने की जरूरत नहीं है। किसी का हाथ थामने की जरूरत नहीं है। लोगों को लगता है कि भावनाओं को व्यक्त करने के लिए इमोजीज भेजना ही पर्याप्त है। यानी जब हम दुखी महसूस करते हैं तो हमारे साथ किसी की वास्तविक भावनाओं के स्थान पर ढेरों इमोजीज होते हैं।

अकेलापन दूर करने का करें प्रयास

हमें बचपन से ही सिर्फ यह सिखाया जाता है कि सफलता ही खुशी का सबसे बड़ा पैमाना है और जीवन में हर कीमत पर सफल होना सबसे जरूरी है। जो सफल है, वह खुश भी रह लेगा। हमें रिश्तों की अहमियत नहीं सिखाई जाती। सफलता और अधिक से अधिक पैसा, सुख-सुविधाएं अर्जित करने की अंधी दौड़ में ज्यादातर लोग अपने रिश्तों को पीछे छोड़ देते हैं। जाहिर है, इससे जीवन में अकेलापन आएगा ही। अकेलापन किसी सफलता से या दौलत कमाने से या शानदार करियर से नहीं, अपनों के साथ होने से दूर होता है। इसलिए अगर आप भी अकेलापन महसूस करते हैं तो सोशल मीडिया पर ही नहीं अपने दोस्तों, रिश्तेदारों से मिलने उनके घर जाइए, उन्हें अपने घर बुलाइए। परिवार के साथ समय बिताइए। अंजान लोगों से भी बात करने में न हिचकिचाइए। यही नहीं अगर आपके परिवार में या आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है, जो अकेलापन महसूस कर रहा है तो उससे बात कीजिए। उसके अकेलेपन को दूर करने का प्रयास कीजिए। जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद भी ले सकते हैं। ऐसा करने से उस व्यक्ति का अकेलापन तो दूर होगा ही, आपको भी आत्मीय खुशी, संतुष्टि मिलेगी। *

कई देशों में हो रही नई पहल

अकेलेपन की समस्या से निपटने के लिए अलग-अलग देशों में अब कई तरह की पहल की जा रही है। जैसे दक्षिण कोरिया में बुजुर्गों के लिए हैप्पी कैब्स चलाई जा रही हैं। यह एक कैब सर्विस है, जिसमें बुजुर्ग लोग अंजान लोगों के साथ बैठकर घूमने जा सकते हैं। उनसे बातचीत कर सकते हैं, अपने सुख-दुख साझा कर सकते हैं। इससे उन्हें अपना अकेलापन दूर करने में मदद मिलती है। इसी तरह अकेलेपन की समस्या के समाधान को तलाशने के लिए ब्रिटेन ने वर्ष 2018 में ही लोनलीनेस मिनिस्टर की नियुक्ति शुरू कर दी थी। एक अलग मंत्रालय, एक अलग मंत्री, जो सिर्फ यह देखेगा कि देश में लोगों के अकेलेपन को कैसे दूर किया जा सकता है? वहां अकेलेपन से जूझ रहे लोगों को काउंसिलिंग और मेडिकल सपोर्ट उपलब्ध कराए जाते हैं।

जिंदगी को खुशमिजाज बनाना हमारे ही हाथों में होता है। अगर हम अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ बदलाव कर लें, कुछ आदतों को शामिल कर लें तो हमारी जिंदगी खुशमिजाज बन सकती है। ऐसा किस तरह हो सकता है, जानिए।

जीने के अंदाज में करें बदलाव खुशमिजाज हो जाएगी जिंदगी

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

हमारा दिमाग ही हमारी सोच और नजरिए का स्रोत होता है। जब दिमाग अशांत या उद्वेलित रहता है तो हमें हर चीज में उथल-पुथल, नकारात्मकता और बुराई नजर आती है। लेकिन जब दिमाग शांत रहता है, हम खुशमिजाज रहते हैं तो हमें हर चीज सकारात्मक अच्छी और सही लगती है। खुशमिजाजी और सुकून के लिए कुछ बातें और आदतें अपनानी जरूरी हैं।

लोगों से बनाए अच्छे संबंध

भले ही सबको खुश रखना दुनिया का सबसे कठिन काम है लेकिन सबके साथ खुश रहना दुनिया का सबसे आसान काम है। हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट के डायरेक्टर और मनोचिकित्सक रॉबर्ट वालडिंगर का कहना है कि लोगों के साथ मजबूत और मधुर संबंध खुशी की प्रमुख वजह बन सकते हैं। ये लोग रोमांटिक पार्टनर, आपके दोस्त, बच्चे, सहकर्मी, पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन कोई भी हो सकते हैं। भले ही हम सब स्वतंत्रता को खास मानते हों, लेकिन यह ना भूलें कि हम सब एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं। जब हम अपने इर्द-गिर्द मौजूद लोगों के साथ अच्छे संपर्क रखते हैं तो मानसिक खुशी तो मिलती ही है, एक बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी मिलता है, जो हमें हर तरह से सुकून देता है।

अजनबियों से करें बातचीत

ओटावा (कनाडा) की कार्लटन यूनिवर्सिटी के मनोविज्ञानी जॉन जेलवेंसकी कहते हैं कि आपको एक्सट्रोवर्ट होना चाहिए। अंतर्मुखी, गंभीर और चुप्पी साध कर रहने वाले लोग उदास रहते हैं, जबकि सबसे आसानी से घुल-मिल जाने वाले और अजनबी लोगों से बातचीत करने की कला जानने वाले अकसर खुशमिजाज रहते हैं। साथ ही ऐसे लोग आसानी से अपना सोशल सर्किल और बिजनेस सर्किल भी बढ़ा लेते हैं, जिससे इन्हें सफलता मिलती है। जाहिर है, सफलता भी खुशी मिलने की एक महत्वपूर्ण वजह है।

पालतू के साथ समय बिताएं

वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक ताजा अध्ययन में पाया गया कि पालतू जानवर के साथ बिताया गया 10 मिनट का समय भी दिमाग को सुकून देने वाला होता है। इससे कार्टिसोल नामक स्ट्रेस हार्मोन का स्तर गिरता है। अमेरिकी नागरिकों द्वारा किए गए एक शोध में पाया गया कि सबसे ज्यादा सुकून देने वाले पालतू कुत्ते होते हैं।

कुदरत को निहारें

यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के शोधकर्ताओं ने 90 स्टूडेंट्स पर किए गए शोध में पाया कि कुदरत को निहारना मन को सुकून देने वाला एहसास होता है। जब हम पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को निहारते हैं तो हमारा ध्यान परेशानियों से हटकर पूरी तरह उन्हीं पर लग जाता है। इससे दिमाग को सुकून मिलता है।

फल-सब्जी ज्यादा खाएं

सोशल साइंस एंड मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित ताजातरीन स्टडी रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रचुर मात्रा में फल और सब्जी खाने से खुशमिजाजी और सुकून मिलता है। इसलिए रोज कच्ची सब्जियों का सलाद और फल खाएं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर आप खान-पान, आराम और सोने का समय निर्धारित कर लेते हैं तो आपका हैप्पीनेस लेवल बढ़ जाता है। न्यूट्रीशन, एक्सरसाइज और रेस्ट, खुशी के मूल मंत्र हैं।

वाटर बॉडीज के पास जाएं

जर्नल आफ एनवॉयर्नमेंटल साइकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि पानी के संग्रह स्थल नजदीक रहने से लोगों में पॉजिटिव इमोशंस का संचार होता है। स्विमिंग पूल, समुद्र या नदी के किनारे खड़े होकर पानी की हलचल को निहारना सुकून देता है। इससे स्ट्रेस लेवल भी कम होता है। *

इन पर भी करें अमल

जीवन के हर आयाम को बराबर समय देने की कोशिश करें, जैसे- परिवार, व्यापार, मित्र, जीवनसाथी, समाज आदि क्षेत्रों में सक्रिय रहें। हंसी-मजाक करें, लेकिन दूसरों का मजाक ना उड़ाएं। कई बार इससे स्थिति बिगड़ जाती है और तनाव का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा नए अनुभवों पर पैसा और समय खर्च करें। उन कार्यों को करे, जो आपने कभी नहीं किया और देखा। जैसे हॉर्स राइडिंग करना, घुड़दौड़ देखना, अंडरवाटर स्पोर्ट देखना या इसमें शामिल होना, थिएटर में जाकर नाटक देखना, किसी बर्फीले स्थान की यात्रा करना आदि।

व्यंग्य
अंशुमान खरे

गणित में बचपन से ही हम बगैर होशियार होकर भी होशियार थे। न मालूम गणित के मास्साब कहां-कहां से सवाल लाते थे, लेकिन पिटते-पिटाते किसी तरह गणित में पास कर दिए जाते थे। घर वालों की तमन्ना डॉक्टर, इंजीनियर बनाने की थी। कक्षा में हमेशा अपराधी की तरह बैठे रहते थे। गणित के गुरु जी हमेशा हमें अंतरराष्ट्रीय गणितज्ञ बनाने का मजाक करते रहते थे। पर हमें कुछ भी समझ नहीं आता। हमारे गणित के गुरु जी फिरकी लेते थे कि मुझे भगवान भी नहीं समझा सकते। गणित की क्लास हमारे लिए आफत से कम नहीं थी। मास्साब के सवाल भी माशाअल्लाह अद्भुत होते थे। एक औरत एक काम को चार घंटे में पूरा कर लेती है तो बताओ उसी काम को आठ औरतें कितने समय में पूरा करेंगी? मैं कहता, 'आठ औरतें काम तो पूरा कर नहीं पाएंगी। हां, रायता जरूर फैला देंगी।'

सवाल से सवाल निकालने की कला में हमारे मास्साब का कोई सानी नहीं था। कपड़े पर अटक गए तो उसी से जुड़े सवाल पर सवाल पूछने लगते, 'बताओ बच्चो, अगर एक साड़ी धूप में एक घंटे में सूखती है तो चार साड़ियां सूखने में कितना समय लेंगी?'

बहुत सरल सवाल सोचकर मैं हाथ उठाकर बोल पड़ा, 'वेरी सिंपल, चार घंटे।' मास्साब जवाब सुनकर आपे से बाहर हो गए। मैं समझ नहीं पा रहा था, मास्साब को सीधा-सा गुणा करना नहीं आता क्या?

मैंने हिम्मत करके एक सवाल पूछ लिया, 'गुरु जी, अगर एक गांव में एक गाय है और वह दो लीटर दूध देती है तो बताइए गांव वाले चालीस-चालीस लीटर दूध बाहर कैसे सप्लाई करते हैं?' मास्साब का माथा ठनका और तमतमा कर क्लास से बाहर चले गए। मेरा सवाल अनुत्तरित रह गया। मेरे सवाल पर क्लास में चर्चा होने लगी। सब हैरान। प्रश्न तो उचित है। मास्साब नाराज क्यों हो गए? गणित के मास्साब का वैसे भी स्कूल में काफी जलवा था। प्रधानाचार्य से लेकर सभी अध्यापक और छात्र उनको आदर की दृष्टि से देखते थे। दूध की सप्लाई का सवाल गणित के मास्साब के गले की फांस बन गया। कुछ दोस्तों ने कहा, 'पानी मिला लेते होंगे।'

पर इतना पानी मिलाकर दूध रह ही नहीं पाएगा। सब पानी-पानी हो जाएगा।

मास्साब इस बात को पता लगाने में जी-जान से जुट गए कि इस प्रश्न को किसके इशारे पर उनसे पूछा गया है। यह किस अध्यापक की साजिश है, पता लगाना जरूरी है। गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है। इस तरह के सवाल किसी किताब में नहीं होते हैं। मास्साब मेरे प्रश्न में उलझते जा रहे थे। मैं उनकी तरफ आशाभरी दृष्टि से टकटकी लगाकर धैर्य से देखता रहता था।

मेरे प्रश्न को दूर-दूर तक पहुंचाया गया। कहीं से समस्या का समाधान निकले। प्रधानाचार्य जी ने ऐसा गांव पहचाना, जहां के लोग दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध बनाने में सफल हुए हैं। उन्होंने गांव के लोगों को सम्मानित करने की योजना बनाई। गांव के प्रधान गांव को सम्मानित करने के नाम से उत्साहित दिखे। ऐसे प्रतिभाशाली लोगों की ओर सबका ध्यान खींचने के लिए मुझे भी मालाओं से लाद दिया गया। क्षेत्र के विधायक, सांसद, सभी ने गांव को सम्मानित करने में रुचि दिखाई। श्वेत क्रांति के लिए पूरे गांव के लोगों को बधाई देने वालों का तांता लग गया। शासन, प्रशासन ने भी गांव को सम्मानित करने के सुर में सुर मिला दिया। जिलाधिकारी से लेकर सारे कर्मचारी मुस्तैदी से सम्मान समारोह की तैयारी में जुट गए हैं। लेकिन मैं और गणित के मास्साब प्रश्न अनुत्तरित रहने से चिंतित हैं। हम दोनों शून्य में उत्तर खोजने की कोशिश कर रहे हैं। दुग्ध क्रांति की गुत्थी उलझती जा रही है। सुना है कि गांव के सम्मान समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री भी आएंगे और ऐसी प्रतिभाओं को सम्मानित करेंगे, जो दो लीटर दूध से चालीस लीटर दूध सप्लाई करने का 'हुनर' जानते हैं। *

गणित के मास्साब को पहली बार किसी सवाल पर नर्वस होते देखा। इसलिए मैं बार-बार उनसे इस प्रश्न को पूछता रहा। मास्साब को भी समझ नहीं आ रहा था कि कौन-सा फार्मूला लगाएं कि दो लीटर दूध बराबर चालीस लीटर दूध हो जाए। कुछ तो गड़बड़ है।

प्रतिभा सम्मान

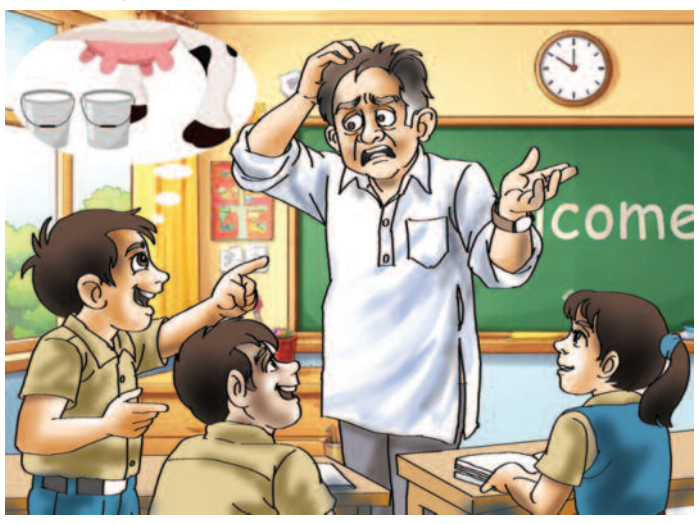

लघुकथा / निशा भास्कर

छांव से दूर

अस्पताल जाते समय सड़क की भीड़ और अब वहां सैकड़ों की संख्या में कतारबद्ध खड़े लोगों को देखकर बाबूजी बोले, 'महानगरों के सड़कों पर दौड़ती-हांफते वाहनों के साथ, यहां का आम जीवन थरथराते हुए गुजरता है।'

'राजधानी में अच्छी सुविधा मिलेगी, यह सोचकर सभी राज्यों से लोग आकर यहां बसना चाहते हैं और बसते भी हैं, इसलिए भीड़ तो होगी ही।' बाबूजी की ओर देखकर मयंक धीरे से बोला। बाबूजी बड़ी मुश्किल से इलाज के लिए अपना घर और गांव छोड़कर अपने बेटे मंयक के पास इस महानगर में आए थे। कहीं बाबूजी गांव वापस जाने की जिद्द न करने लग जाएं, यह ख्याल आते ही मयंक बोला, 'बाबूजी एक बार आपका अच्छी तरह से इलाज हो जाए बस और हमें क्या चाहिए!' 'अरे बेटा! मुझे लगता है यहां तो हम और भी बीमार हो जाएंगे। स्वस्थ क्या खाक होंगे?' कहकर वे तेज-तेज खांसने लगे। उनकी आंखें भी लाल हो गईं। मयंक ने घबराकर इधर-उधर देखा। अस्पताल का प्रतीक्षालय पूरी तरह से भरा हुआ था। एक भी सीट खाली नहीं थी, जहां बाबूजी को वह बैठा सके। एक व्यक्ति जो उसी की तरह दिख रहा था। मयंक ने उसे आग्रहपूर्ण नजरों से देखा। उस व्यक्ति ने खड़े होकर बाबूजी को बिठाने का इशारा किया। मयंक ने बाबूजी को बिठाया और दोनों हाथ जोड़कर उस व्यक्ति का आभार व्यक्त किया और बाबूजी से बोला, 'मैं अभी आया।' फिर वह शीघ्रता से अस्पताल से बाहर निकल गया। थोड़ी ही देर में पानी की बोतल लेकर आया और बाबूजी को पानी पिलाकर बोला, 'आप चिंता न करें, हम जिस डॉक्टर से दिखाने के लिए आए हैं, उनका बहुत नाम है। उनके इलाज से कितना भी पुराना रोग, ठीक हो जाता है।' बाबूजी, बेटे की बात सुनकर बोले, 'अरे! यह तो बुढ़ापे का रोग है। खांसना-खंखारना तो लक्षण है, बुढ़ापे का। लेकिन बेटा, मेरी एक बात ध्यान से सुन, यह शहर बड़ा है, डॉक्टर बड़ा है पर हम तो बड़े लोग नहीं हैं न! बड़ा शहर और इसकी सुविधाएं बड़े लोगों के लिए होती हैं। हम इनके फोटो देखकर अपने से झूठ बोलते हैं कि मैं भी इसका हिस्सा हूं। पर हमारी इतनी औकात नहीं है।' मयंक की आंखें गीली हो गईं। वह बोला, 'सच कह रहे हैं बाबूजी! बीस साल की नौकरी में क्या ही कर लिया मैंने? आज तक बीवी बच्चों को इस शहर में एक छत भी न दे सका।' बेटे को इस तरह उदास देखकर बाबूजी उसके सिर पर हाथ रखकर बोले, 'बेटा हम अपने गांव चलेंगे। वहीं के अंग्रेजी स्कूल में मेरी पोती पढ़ेगी और मैं अपने बड़े से आंगन में नीम की छांव तले बैठकर उसके साथ खेलूंगा और' तभी नर्स ने टोकन नंबर बहत्तर रामजस को आवाज दी। मयंक बाबूजी का हाथ थाम कर बोला, 'चलिए बाबूजी, अपना नंबर आ गया।' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अलग मिजाज की कहानियां

वरिष्ठ कथाकार हबीब कैफी की चुनी हुई सत्रह कहानियां 'तमन्ना खानम' पुस्तक में प्रकाशित हुई हैं। करीब साढ़े पांच दशक के कालखंड में लिखी गई ये कहानियां, हमें समाज के अलग-अलग तबके से ताल्लुक रखने वाली स्त्रियों की जिंदगी से रूबरू कराती हैं। कहीं पुरुषत्व के दंभ से दमित लेकिन फिर भी उसके साथ रहने को विवश भंवरी नजर आती है (औरत), तो कहीं गणिकाओं के जीवन की त्रासदी भोगती मरजीना की कराह सुनाई पड़ती है (मरजीना)। 'तमन्ना खानम' कहानी में उच्च वर्ग की महिला तमन्ना को अपनी जिंदगी की पेचीदगियों को अपने अंदाज में सुलझाते देखा जा सकता है। बहुत अलग मिजाज की ये कहानियां, कहीं-कहीं उर्दू के मशहूर कथाकार मंटो की याद दिलाती हैं। इन कहानियों में भाषा की रवानगी भी देखने लायक है। *

पुस्तक: तमन्ना खानम (कहानी संग्रह), **लेखक:** हबीब कैफी,
मूल्य: 299 रुपए, **प्रकाशक:** कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली

कीवी टीम को 46 रन से हराकर भारत ने 4-1 से जीती टी20 सीरीज

ईशान की आंधी, अर्शदीप की घातक गेंदबाजी 272 रन चेज करते हुए लड़खड़ाया न्यूजीलैंड

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

ईशान किशन के पहले टी20 शतक ने संजू सैमसन की नाकामी की भरपाई कर दी और उनके साथ अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को पांचवें और आखिरी मैच में भारत को 46 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत ने श्रृंखला 4-1 से जीतकर अगले सप्ताह शुरू हो रहे टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता कर ली। ईशान ने 43 गेंद में 103 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 10 छक्के शामिल थे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में 4 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 63 रन की पारी खेली। दोनों ने करीब दस ओवर में 137 रन की साझेदारी की। न्यूजीलैंड की टीम जवाब में 19.4 ओवर में 225 रन पर आउट हो गई। तेज गेंदबाज अर्शदीप ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। उन्होंने पहले दो ओवर में 40 रन दिए और टिम सीफर्ट का विकेट लिया लेकिन इसके बाद अगले दो ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट चटकाए।

सूर्या ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें टी20 मुकाबले में कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ला जमकर चला। सूर्यकुमार ने बेहद आकर्षक पारी खेलते हुए इस मैच में 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 30 गेंदों पर 6 छक्के और 4 चौकों की मदद से 63 रन बनाए। सूर्यकुमार ने कीवी टीम के खिलाफ 5वें मैच में 210.00 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए साथ ही अपनी इस पारी के दम पर वो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे कम गेंदों पर 3 हजार रन बनाने वाले दुनिया के पहले बैटर बने साथ ही साथ उन्होंने मार्टिन गप्टिल के इस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार यादव ने टी20आई में 3 हजार रन पूरा करने के लिए 1822 गेंदों का सामना किया और वो टी20आई में सबसे कम गेंदों पर 3 हजार रन बनाने वाले दुनिया के पहले बैटर बने। सूर्या ने यूएई के खिलाड़ी मुहम्मद वसीम को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने ऐसा 1947 गेंदों पर किया था। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर जोस बटलर हैं, जिन्होंने ऐसा 2068 गेंदों पर किया था।

किशन ने 239.53 के स्ट्राइक रेट से जड़ा शतक

इशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें टी20 मैच में 42 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और 43 गेंदों पर 10 छक्के और 6 चौकों की मदद से 103 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 239.53 का रहा और ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का छठा शतक भी रहा। इसके बाद वो टी20 क्रिकेट में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बैटर्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इशान ने कामरान अकमल को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने टी20 में बतौर विकेटकीपर 5 शतक लगाए थे। पहले नंबर पर क्विंटन डिकॉक हैं, जिन्होंने कुल 8 शतक लगाए हैं। इशान ने सबसे तेज शतक लगाने वाले बैटर्स की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए। उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा, जिन्होंने भारत के लिए इस प्रारुप में 45 गेंदों पर शतक लगाया था। इस लिस्ट में पहले नंबर पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने 35 गेंदों पर शतक लगाया था।

भारत ने इंग्लैंड को छोड़ा पीछे सीरीज में लगाए 69 छक्के

भारतीय टीम की तरफ से न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की इस टी20 सीरीज में कुल 69 छक्के देखने को मिले, जिसमें आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया की पारी में कुल 23 छक्के लगे। वहीं टी20 इंटरनेशनल में 5 मैचों की किसी द्विपक्षीय सीरीज में ये अब तक किसी एक टीम का सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी बन गया है।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा बो फर्ग्युसन	30	16	4	2
सैमसन का जैकब्स बो फर्ग्युसन	6	6	1	0
ईशान का फिलिप्स बो डफी	103	43	6	10
सूर्यकुमार स्ट सीफर्ट बो सेंटनेर	63	30	4	6
पंड्या का जैकब्स बो जैमीसन	42	17	1	4
रिंकू सिंह नाबाद	8	8	1	0
शिवम दुबे नाबाद	7	2	0	1

अतिरिक्त : सात रन, योग : 20 ओवर में 271/5 रन
गेंदबाजी : डफी 4-0-53-1, जैमीसन 4-0-59-1, फर्ग्युसन 4-0-41-2, सोढी 3-0-48-0, फिलिप्स 1-0-10-0, सेंटनेर 4-0-60-1

न्यूजीलैंड पारी	रन	गेंद	4	6
सीफर्ट का पंड्या बो अर्शदीप	5	3	1	0
एलेन का सिंह बो पटेल	80	38	8	6
रविंद्र का पटेल बो अर्शदीप	30	17	2	2
फिलिप्स का सिंह बो पटेल	7	6	1	0
डेरिल मिचेल बो अर्शदीप	26	12	2	2
सेंटनेर का यादव बो अर्शदीप	0	2	0	0
बेवोन जैकब्स बो वरुण	7	11	1	0
जैमीसन बो अर्शदीप	9	5	2	0
ईश सोढी का अर्शदीप बो सिंह	33	15	1	3
लॉकी फर्ग्युसन बो पटेल	3	4	0	0
जैकब डफी नाबाद	9	5	1	0

अतिरिक्त : 16 रन, योग : 19.4 ओवर में 225 रन
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-51-5, पंड्या 2-0-15-0, बुमराह 4-0-58-0, वरुण 4-0-36-1, अक्षर 4-0-33-3, अभिषेक 1-0-13-0, रिंकू 0.4-0-7-1

रिबाकिना ने किया बड़ा उलटफेर

विश्व नंबर 1 सबालेंका को हराया, पहली बार जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

एलेना रिबाकिना ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया और अपना पहला खिताब जीता। इस रोमांचक तीन-सेट की जीत के साथ, रिबाकिना ने 2023 के फाइनल में सबालेंका से मिली हार का बदला भी पूरा कर लिया।

साल 2026 के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के खिताब पर वर्ल्ड नंबर चार एलिना रिबाकिना ने कब्जा जमाया। वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका साल 2023 और साल 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने के बाद इस बार हैट्रिक लगाने उतरीं थी। लेकिन उनके सपने को रिबाकिना ने तोड़ा और महिला सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में 6-4, 4-6, और 6-4 से हराया।

इसके साथ ही कजाखस्तान से आने वाली रिबकिना ने अपने करियर का दूसरा और पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इससे पहले रिबकिना ने साल 2022 मे विंबलडन का खिताब जीता था।

पहली ही सर्विस नहीं बचा सकीं सबालेंका

ऑस्ट्रेलियन ओपन महिला सिंगल्स के फाइनल में पहली सर्विस सबालेंका ने की लेकिन रिबकिना ने पहली बार में ही सबालेंका की सर्विस को ब्रेक कर दिया। बाद में फिर अपनी सर्विस पर पकड़ बनाए रखी और रिबकिना ने पहले सेट को 6-4 से अपने नाम किया। पहले सेट में सबालेंका ने चार एस लगाए लेकिन फिर भी दो एस शॉट लगाने वाली रिबाकिना ने जीत दर्ज की।

तीसरा सेट जीत रचा इतिहास

तीसरे सेट में रिबकिना दूसरे गेम में अपनी सर्विस गंवा बैठी लेकिन बाद में फिर उन्होंने शानदार विनर्स लगाते हुए सबालेंका को बैकफुट पर धकेला, जिससे वो दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठी और बाद में फिर रिबाकिना ने उनको वापसी करने का मौका नहीं दिया। इससे तीसरे सेट को रिबकिना ने 6-4 से अपने नाम करने के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता और वह कजाखस्तान के लिए इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली महिला टेनिस खिलाड़ी बनीं। जबकि सबालेंका लगातार तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम नहीं कर सकीं।

SHIVA EMBROCATION OIL
शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों ओर सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
नकली माल से सावधान
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

मर्टेन्स- झेंग और हैरिसन-स्कुप्स्की ने जीता युगल का खिताब

मेलबर्न। एलिस मर्टेन्स ने चीन की झेंग शुआई के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतकर महिला युगल में नंबर एक रैंकिंग पर वापसी की जबकि अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और ब्रिटेन के नील स्कुप्स्की ने पुरुष युगल खिताब जीता। चार साल बाद एक टीम के तौर पर वापसी करने वाली मर्टेन्स और झेंग पहले सेट में 0-3 और 1-4 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए कजाखस्तान की एना डैनिलिना और सर्बिया की एलेक्जेंड्रा क्रूनिक को 7-6, 6-4 से हराया। पुरुष युगल

के फाइनल में हैरिसन ने मैच प्वाइंट पर ऐस लगाकर स्कुप्स्की के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलर और मार्क पोलमैन्स की जोड़ी को 7-6, 6-4 से शिकस्त दी। कुबलर का अपने घरेलू ग्रैंडस्लैम फाइनल में उतरने से पहले जीत-हार का रिकॉर्ड 14-3 था।

मुझे सीखने की जरूरत

पल्लेकल। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान हैरी बूक ने कहा कि उन्हें अपने मैदान के बाहर के व्यवहार के बारे में 'अभी और सीखना है' क्योंकि उन्होंने पिछले अक्टूबर में वेलिंगटन में एक नाइट क्लब में अपने साथ हुए झगड़े की सच्चाई को अपनी टीम के साथियों को बचाने के लिए छिपाया था। इससे पहले उन्होंने कहा था कि जिस रात उन्हें बाउंसर ने मुक्का मारा उस रात वह अकेले थे। असल में जब यह घटना हुई तब बूक जैकब बेथेल और जोश टंग के साथ रात्रि में घूमने निकले थे लेकिन कप्तान ने अपनी टीम के साथियों को बचाने के लिए सारा दोष अपने ऊपर ले लिया।

बिजनेस साइट

रियल एस्टेट को राहत देने वाला फैसला छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन ने जताया आभार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भूमि की गाइडलाइन दरों के पुनरावलोकन उपरांत रियायत प्रदान करते हुए नई संशोधित गाइडलाइन जारी किए जाने पर छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन ने मंत्री ओपी चौधरी का सम्मान किया। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंत्री श्री चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र को राहत देना एक सकारात्मक, दूरदर्शी एवं जनहितकारी निर्णय है। नई संशोधित गाइडलाइन आम नागरिकों की व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए 30 जनवरी 2026 से प्रभावशील की गई है, जिससे प्रदेश में संपत्ति के क्रय-विक्रय को गति मिलेगी तथा आम जनता को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री अमित

साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष महेंद्र आहूजा, सचिव दीपक रहेजा, कोषाध्यक्ष विजय पीजानी सहित राजीव अग्रवाल, हेमंते सेवलानी, गुरबख्श छाबड़ा, योगेश चैनानी, विनोद छितिजा, मनीष मोटवानी, संजय निहलानी एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

OSTWAL HEART CARE
Dr. Kunal Ostwal
MD, DM (Cardiology)
Consultant and Interventional Cardiologist
Facilities : ECG ,2D-Echo,TMT
समस्त हृदय रोग, मधुमेह, कोलेस्ट्रोल एवं ब्लड प्रेशर के लिए परामर्श
डी.एम. प्लाजा, बैजनाथपारा, छोटापारा, रायपुर अपॉइंटमेंट के लिये संपर्क करें : 6264289296

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें : एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धूम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें : मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉप्लर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टिकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टेली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

Dr. Juneja's
पेट सफा
Natural Laxative Granules & Tablets

कब्ज से राहत
गैस से छुटकारा
एसिडिटी से आराम

पेट सफा... तो हर रोग दफा

24x7 Helpline: 91197 88888
www.petsaffa.com

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

गजब का फायदा

अगर आप भी कब्ज, गैस, एसिडिटी जैसी परेशानियों से घिरे हुए है, तो आज ही लीजिए, आयुर्वेदिक पेट सफा ग्रेन्यूल्स। यह पहले दिन से असर दिखाता है, मुंह में चिपकता नहीं और इसकी आदत भी नहीं बनती।

विश्व इतिहास की सबसे खूबसूरत और ताकतवर रानियां...

दुनिया में रॉयल परिवारों की धूम रही है और ये परिवार खास तौर पर इसलिए चर्चा में रहे हैं क्योंकि इन परिवारों की महिलाएं न सिर्फ बेहद सुंदर थीं बल्कि ताकतवर और प्रभावशाली भी रहीं। इनमें से कुछ अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन अपने निधन से पहले ये अपनी खूबसूरती से अमर हो गई हैं। कुछ रानियां अभी भी सुंदरता, प्रभावशालीता और बुद्धिमानी की प्रतिमूर्ति बनी हुई हैं। इन शक्तिशाली महिलाओं ने लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त किया और उनकी विरासतें हर किसी को प्रेरित करती हैं। ऐसी ही कुछ बेहद खूबसूरत और प्रभावशाली रानियों के बारे में आपको बता रहे हैं।

महारानी गायत्री देवी

जयपुर की राजकुमारी गायित्री देवी अपनी सुंदरता और शालीनता के लिए दुनियाभर में मशहूर हुईं। वोग पत्रिका द्वारा उन्हें दुनिया की सबसे खूबसूरत महिलाओं में से एक घोषित किया गया था। उनका जन्म 23 मई, 1919 को लंदन में हुआ। वह कूच बिहार के राजकुमार जितेंद्र नारायण और बड़ौदा की राजकुमारी इंदिरा राजे की बेटी थीं। जयपुर के महाराजा सवाई मान सिंह II से विवाह के बाद वे जयपुर की महारानी बनीं। 29 जुलाई, 2009 को 90 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

राजकुमारी डायना

वेल्स की दिवंगत राजकुमारी ने अपने आकर्षण, फैशन और दयालुता से दुनिया को मोहित कर लिया और एक प्रतिष्ठित हस्ती बनी रहीं। राजकुमारी डायना एक समाजसेवी, स्टाइल आइकन और 20वीं सदी की सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक थीं। हालांकि उन्होंने अपना अधिकांश जीवन चकाचौंध और कड़ी निगरानी में बिताया। फिर भी वे सबकी चहेती बनीं। राजकुमारी डायना की मौत 31 अगस्त, 1997 को पेरिस में एक कार दुर्घटना में हुई थी।

स्पेन की रानी लेटिजिया

स्पेन की क्वीन लेटिजिया अपने खास स्टाइल, फिटनेस और शाही कर्तव्यों के प्रति समर्पण के लिए जानी जाती थीं। लेटिजिया ओर्टिज रोकासोलानो का जन्म 15 सितंबर 1972 को हुआ था और वह स्पेन की रानी हैं और राजा फेलिप VI की पत्नी हैं। उन्होंने एबीसी और ईएफई में पत्रकार के रूप में काम किया और बाद में सीएनएन+ और टेलीविजन एस्पानोला में समाचार एंकर भी बनीं।

जॉर्डन की क्वीन रानिया

जॉर्डन की क्वीन रानिया अल-अब्दुल्ला दुनिया की सबसे खूबसूरत और प्रभावशाली रानियों में गिनी जाती हैं। मुस्लिम देश की होने के बावजूद वे कभी भी हिजाब या बुर्के में नजर नहीं आती हैं। क्वीन रानिया की मौकों पर साफ कह चुकी हैं कि इस्लाम में पर्दा जबरदस्ती नहीं, बल्कि व्यक्तिगत पसंद का विषय है। पश्चिमी और आधुनिक परिधानों में वह पूरे आत्मविश्वास के साथ सार्वजनिक मंचों पर नजर आती हैं।

क्लियोपेट्रा VII

रोमनों के सत्ता संभालने से पहले मिस्र के अंतिम फराओ का अपने शासनकाल में काफी प्रभाव था। उनकी पत्नी क्लियोपेट्रा रोमन सेनापतियों के साथ अपने संबंधों के लिए जानी जाती थीं और उन्होंने तीन बच्चों को जन्म दिया। अपने पति और रोमन सेनापति मार्क एंटनी की आत्महत्या के बाद क्लियोपेट्रा ने सांप से खुद को कटाकर आत्महत्या कर ली। क्लियोपेट्रा बुद्धिमान और राजनीतिक रूप से कुशल थीं, और 17 वर्ष की आयु में मिस्र की सत्ता में आ गईं। उन्हें देवी के समान पूजा जाता था।

नेफरटिटी

प्राचीन मिस्र की रानी नेफरटिटी अपनी सुंदरता के लिए मशहूर थीं। 14वीं शताब्दी में नेफरटिटी मिस्र की रानी बनीं और उन्होंने मिस्र के धार्मिक बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके तहत अनेक देवताओं की पूजा से हटकर केवल सूर्य देवता अतोह की पूजा की जाने लगी। उनके नाम का अर्थ है 'एक सुंदर स्त्री आ गई है'। वे बेहद खूबसूरत थीं, उनका शरीर सुडौल और चेहरा बेहद आकर्षक था। उन्होंने अपने पति की सह-शासिका के रूप में कार्य किया, उनके छह बच्चे थे।

दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा यार्सागुंबा

कीमत है 20 लाख रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। हिमालयी वियाग्रा के नाम से मशहूर यार्सागुंबा दुनिया का सबसे महंगा कीड़ा कहलाता है। इस कीड़े की कीमत 20 लाख रुपये प्रति किलो तक है। यह कीड़ा ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नामक फंगस और कैटरपिलर का अनूठा मिश्रण है, जो परजीवी के रूप में पनपता है। नेपाल, तिब्बत और भारत के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है, जहां गर्मियों में लोग इसे इकट्ठा करते हैं। तस्करी और ब्लैक मार्केट में भारी मांग के कारण इसकी कीमत आसमान छूती है।

यार्सागुंबा कोई आम कीड़ा नहीं है, बल्कि यह एक कीड़े और फंगस का मिलाजुला रूप है। यह ओफियोकोर्डिसेप्स साइनेन्सिस नाम के फंगस द्वारा बनता है, जो कैटरपिलर की बॉडी में परजीवी की तरह पनपता है। ये कीड़े हिमालय की बर्फीली पहाड़ियों जैसे उत्तराखंड, सिक्किम, नेपाल और तिब्बत में मिलते हैं।

लोग पहन रहे हैं खाने जैसे दिखने वाले जूते

जापान अपने अतरंगी फैशन के लिए दुनियाभर में मशहूर है और इसका सबूत एक नए उत्पाद से भी मिल रहा है। दरअसल, यहां खाने जैसे दिखने वाले बूट्स बनाए जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है, मानो ये असल में खाने लायक जूते हैं। इन्हें ताइवान के एक खास व्यंजन से प्रेरित हो कर बनाया गया है। आइए इन विचित्र बूट्स के बारे में विस्तार से जानते हैं।

किस व्यंजन से प्रेरित हैं ये बूट्स?

इन बूट्स को जापान के टोकोरोजावा शहर की सरकार ने बनवाया है और ये ताइवानी पकवान 'लू रोउ फैन' से प्रेरित है। यह ताइवान के सबसे मशहूर व्यंजनों में से एक है, जिसे ब्रेज्ड चावल भी कहते हैं। इसमें सोया सॉस और कुछ अन्य सॉस में भीगे हुए चावल शामिल होते हैं, जिन्हें सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों के साथ परोसा जाता है। इन बूट्स को होमटाउन टैक्स सिस्टम द्वारा एक प्रीमियम तोहफे के तौर पर पेश किया गया।

एक-एक चावल का दाना लगता है असली

टोकोरोजावा सरकार ने इन बूट्स को बनाने के लिए एक स्थानीय फूड मॉडलिंग कंपनी 'फेक फूड हातानाका' से हाथ मिलाया था। यह कंपनी खाने जैसी दिखने वाली कई चीजें बनाती है। इन्हें जापानी फूड मॉडल तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया गया है और चावल का एक-एक दाना असली लगता है।

ऐसी है ताइवानियों की प्रतिक्रिया

इन बूट्स को एक प्रतिभाशाली कलाकार अपने हाथों से बनाता है। सभी बूट्स को पहनने वाले व्यक्ति के साइज के मुताबिक कस्टमाइज किया जाता है। इन्हें तैयार करने में और लोगों के घर तक डिलीवर करने में कम से कम 2 महीने का समय लगता है। इन बूट्स ने ताइवान के लोगों को हैरत में डाल दिया है, जो मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कोई इन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बना बता रहा है तो कोई इनका मजाक बना रहा है।

क्या होता है होमटाउन टैक्स सिस्टम?

होमटाउन टैक्स सिस्टम का कानून जापान में 2008 में बनाया गया था। इसके तहत शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों को अपनी कमाई और टैक्स का कुछ हिस्सा ग्रामीण इलाकों में भेजने की इजाजत होती है। इसके बदले उन्हें रकम और टैक्स, दोनों पर टैक्स क्रेडिट मिलता है। यह कानून ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच के आर्थिक अंतर को कम करना था। ये बूट्स 68 हजार रुपये के दान के बदले 'रिटर्न गिफ्ट' के तौर पर उपलब्ध हैं।

ये है दुनिया की सबसे महंगी साड़ी, जितनी सुंदर उतनी खास

भारतीय महिलाओं का पारंपरिक परिधान व पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहा साड़ियों का चलन इनकी कीमतों पर दिन पर दिन इजाफा करता जा रहा है। इस दौरान दुनिया की सबसे महंगी साड़ी का जिक्र करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह साड़ी, जिसका मूल्य 39.3 लाख रुपये है, विवाह पट्टु कंजीवरम है। इसे चेन्नई सिल्क द्वारा बनाया गया है और यह राजा रवि वर्मा की कला से प्रेरित है। इस साड़ी में सोने, हीरे, चांदी और उच्च गुणवत्ता वाले रेशम का उपयोग किया गया है। यह साड़ी हाथ से बुनी गई है और इसमें डबल वॉर्प तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें 64 रंगों और 10 अनोखे डिज़ाइन शामिल हैं, और इसका वजन लगभग आठ किलोग्राम है। इस साड़ी में कई कीमती धातुएँ और रत्न शामिल हैं, जैसे सोना, हीरा, प्लेटिनम, चांदी, रूबी, पन्ना, नीलम और मोती। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें 59.7 ग्राम सोना, 3.9 कैरेट हीरा और 5 कैरेट नीलम का उपयोग किया गया है।

गैलेक्सी ऑफ म्यूज़िशियन्स का विवरण

'गैलेक्सी ऑफ म्यूज़िशियन्स' में 11 महिलाएँ एक संगीत प्रदर्शन में भाग लेती हुई दिखाई देती हैं। प्रत्येक महिला अलग-अलग पारंपरिक वस्त्र पहने हुए है, जो विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें एक महिला, एक नायर मुण्डु पहने महिला और एक मराठी शैली की साड़ी पहने महिला शामिल हैं।

साड़ी के दो संस्करण : इस साड़ी के दो संस्करण बनाए गए थे। एक संस्करण को बेंगलुरु के एक व्यवसायी ने अपनी 10वीं शादी की सालगिरह पर खरीदी, जबकि दूसरा संस्करण 2009 में कुवैत के एक व्यवसायी द्वारा खरीदा गया। इस प्रकार, विश्व साड़ी दिवस 2025 के अवसर पर, इस अद्वितीय और महंगी साड़ी का जिक्र करना एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो भारतीय संस्कृति और शिल्प कौशल को दर्शाता है।

हरिभूमि माह जनवरी 2026 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
30 दिन	5.00	150.00
	कुल	150.00

हरिभूमि के सुधि पाठक जनवरी 2026 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।
व्यवस्थापक

गंजेपन का ईलाज
अत्याधुनिक तकनीक द्वारा केश प्रत्यारोपड़ FUT एवं FUE तकनीक द्वारा
गंजेपन का ईलाज
कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
आज की सावधानी, कल की मुस्कान :)
कैंसर जीवन का अंत नहीं : संभव है पूर्ण इलाज
समय पर जाँच
जल्दी पहचान
बेहतर इलाज

आज ही संपर्क करें :
+91 7389905010,
+91 7389904010
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.)

आप कितने स्वस्थ हैं?
जानिएं
एक नियमित वेलनेस चेकअप आपके आज को सुरक्षित और कल को मजबूत करता है
वेलनेस गोल पैकेज ₹1500/-
(20 से 40 साल की उम्र के लिए)
वेलनेस जर्नी पैकेज ₹2000/-
(40 से 60 साल की उम्र के लिए)
• प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार
• सीमित सीट
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें
9109956720
सुयश हॉस्पिटल
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध

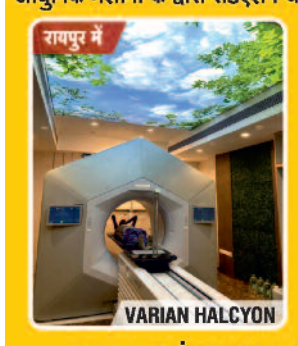

Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com